किफायती दरों में अपना विज्ञापन प्रकाशित करें और अपने व्यापार को और ऊँचाईयों पर ले जाएं।
संपर्क करें
7018631199

« आपकी आवाज़ »
हिमालयन अपडेट
www.himalayanupdate.com

Postal Regd. No.: HP/128/SML/2020-22
अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में हमें लिखें
himalayanupdate@gmail.com
दूरभाष नं.
7018631199

वर्ष 5 | अंक 16 | पृष्ठ 8 | साप्ताहिक | शिमला | सोमवार 26 जुलाई–1 अगस्त 2021 | मूल्य 5/- | RNI No. HPHIN/2017/73579

मुख्यमंत्री ने आनी विधानसभा क्षेत्र में 234 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किए

शिमला, हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कुल्लू जिला के निरमंड में लोगों की सुविधा के लिए उप–मंडला धिकारी (नागरिक) कार्यालय खोलने की घोषणा की। वह कुल्लू जिला के निरमंड में 72वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने रूद्राक्ष का पौधा रोपित किया।

मुख्यमंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र निथर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्तरोन्नत करने, राजकीय उच्च विद्यालय दुराह और कुशवा को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में स्तरोन्नत करने, प्राथमिक विद्यालय देवारी को राजकीय माध्यमिक विद्यालय में स्तरोन्नत करने, शावर में जल शक्ति विभाग का उप मंडल खोलने, ब्रौ से हनुमान घाट, रामपुर बाजार तक फुट ब्रिज का निर्माण करने और पंजेरा पशु औषधालय को पशु अस्पताल में स्तरोन्नत करने की घोषणा की।

जय राम ठाकुर ने कहा कि लुहरी से नोर सड़क को मुख्य जिला सड़क के रूप में स्तरोन्नत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए आनी और निरमंड क्षेत्रों में अतिरिक्त बसों का परिचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजकीय महाविद्यालय निरमंड के भवन के लिए पर्याप्त धनराशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुफराधार में हेलीपेड का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने आनी में प्रेस क्लब भवन निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की घोषणा की।

इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने कुल्लू जिला के आनी विधानसभा क्षेत्र में लगभग 234 करोड़ रुपये लागत की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किए। उन्होंने 44.60 करोड़ रुपये लागत की 12 विकासात्मक परियोजनाएं समर्पित कीं, जिसमें 3.35 करोड़ रुपये की लागत से निरमंड में निर्मित बस अड्डा, 5.77 करोड़ रुपये की लागत से अरसू–कुंडाकोड सड़क, 7.26 करोड़ रुपये की लागत से विकास खण्ड निरमंड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बाड़ी, तुनान, पोशना, बाहवा, खरगा और कुशवा गांवों के लिए जलापूर्ति योजना, विकास खण्ड आनी के तहत 4.71 करोड़ रुपये की लागत से ग्राम पंचायत शिल्ली, गमोघ, लोट, दुराह की शेष बस्तियों के लिए (एनसी,पीसी) उठाऊ पेयजल योजना, 3.55 करोड़ रुपये की लागत से विकास खण्ड आनी के अन्तर्गत सीवी फ्रानाली, डिंगीधार और बियुंगल की शेष बस्तियों के लिए उठाऊ पेयजल योजना, 1.87 करोड़ रुपये की लागत से देवथन, थारवी सड़क, 5.60 करोड़ रुपये की लागत से शारू कपटी सड़क, 9.15 करोड़ रुपये

शेष पृष्ठ 2 पर...

अनुराग ठाकुर और हिमाचल के सांसदों ने राज्यपाल से भेंट की

नई दिल्ली, हिमालयन अपडेट

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्य एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के अन्य सांसदों के साथ राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से नई दिल्ली में शुक्रवार सांय भेंट की।

केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और सांसद किशन कपूर, सुरेश कश्यप और राज्यसभा सांसद इन्दु गोस्वामी ने राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उनका मार्गदर्शन हिमाचल प्रदेश के विकास में सहायक सिद्ध होगा।

इस शिष्टाचार भेंट के दौरान राज्यपाल ने हिमाचल से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उनसे विस्तृत चर्चा की।

हिमाचल प्रदेश के वन मंत्री राकेश पठानिया भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने राज्य में कोविड टीकाकरण अभियान के प्रभावी कार्यान्वयन की सराहना की: जय राम ठाकुर

शिमला, हिमालयन अपडेट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में कोविड–19 टीकाकरण अभियान को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित करने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की है। यह बात मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को राज्य में कोविड प्रोटोकॉल और टीकाकरण कार्यक्रम के कार्यान्वयन के बारे में भी अवगत करवाया। उन्होंने प्रधानमंत्री को 111 मेगावाट क्षमता की सावड़ा–कुड्डू जलविद्युत परियोजना का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री से 1810 करोड़ रुपये की 210 मेगावाट की लुहरी चरण–1 जलविद्युत परियोजना और 66 मेगावाट की धौलासिद्ध जलविद्युत परियोजना की आधारशिला रखने का भी आग्रह किया।

जय राम ठाकुर ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से राज्य के लिए बल्क ड्रग और मेडिकल डिवाइस पार्क को मंजूरी देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को अवगत करवाया कि इन दोनों पार्कों से न केवल राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर भी सुनिश्चित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से नागचला, मण्डी में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के निर्माण के लिए धनराशि उपलब्ध करवाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित हवाई अड्डे का लिडार सर्वेक्षण किया जा चुका है और यह हवाई अड्डा न केवल सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा, बल्कि क्षेत्र में पर्यटन विकास को भी बढ़ावा देगा।

शेष पृष्ठ 2 पर...

जासूसी कांड पर मुख्यमंत्री का बचाव बेहद बेतुका: आम आदमी पार्टी

शिमला, हिमालयन अपडेट

आम आदमी पार्टी हिमाचल प्रदेश ने मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को पेगासस जासूसी कांड में बेतुके बयानों से बचने की सलाह दी है। पार्टी ने मुख्यमंत्री के उस बयान निशाना साधा है जिसमें उन्होंने जासूसी कांड को लेकर विपक्ष पर आरोप लगाए है।

पार्टी ने एक बयान जारी करते हुए कहा की मुख्यमंत्री क्या यह कर बच सकते हैं कि कांग्रेस के शासन में कई हजार फोन और ईमेल की निगरानी की गई। क्या लोकतंत्र में सिर्फ में निजता का हनन करने का तर्क ये दिया जा सकता है कि पहले की सरकारों में यह होता था।

विपक्ष के आरोपो को बेबुनियाद बताने मुख्यमंत्री शायद भूल रहे है कि प्रदेश में उनकी ही पार्टी की सरकार पर पहले भी ऐसे आरोप लग चुके है। पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने उन मामलों में अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। तो जासूसी से अनजान बनने का ढोंग न ही करे मुख्यमंत्री।

पार्टी ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा, इसरायली कंपनी से सीख ले जो अपने 'ग्राहकों' की निजता ज्यादा ध्यान उनसे ज्यादा रख रही है। इस गंभीर मसले पर मुख्यमंत्री को ऐसे बयानों से बचना चाहिए। पार्टी मांग करती है जासूसी कांड में निष्पक्ष जांच की जाए ताकि सच सबके सामने आ सके।

हिमाचल में 2 अगस्त से लगेंगी नियमित कक्षाएं

शिमला, हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक में 2 अगस्त, 2021 से सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए हुए स्कूल खोलने को अनुमति प्रदान की गई।

इन कक्षाओं के लिए आवासीय और आंशिक आवासीय विद्यालय भी सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए खोले जा सकेंगे। विश्वविद्यालयों के शोध विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय प्राधिकरण द्वारा अधिसूचित तिथियों से विश्वविद्यालय आने की अनुमति प्रदान की जाएगी।

मंत्रिमण्डल ने 5वीं और 8वीं कक्षाओं के विद्यार्थियों को पढ़ाई संबंधी किसी संशय के निवारण के लिए 2 अगस्त, 2021 से स्कूल आने की अनुमति प्रदान करने का निर्णय लिया।

बैठक में कोचिंग, ट्यूशन और प्रशिक्षण संस्थानों को इस वर्ष 26 जुलाई से मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए खोलने की अनुमति प्रदान की गई है।

मंत्रिमण्डल ने लोगों की सुविधा के लिए जिला कुल्लू के निरमण्ड और जिला शिमला के कोटखाई एवं जुब्बल में तीन उपमण्डल कार्यालय (नागरिक) खोलने को स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में सिरमौर जिला के विकास खण्ड पांवटा साहिब के पुनर्गठन से तिरलोधार में नया विकास खण्ड बनाने का निर्णय लिया गया है। मंडी जिला के सुन्दरनगर व बल्ह विकास खण्डों के पुनर्गठन से धनोटू के शेगली में नया विकास खण्ड बनाने का भी निर्णय लिया गया।

मंत्रिमंडल ने हिमाचल प्रदेश सचिवालय में सीधी भर्ती द्वारा जे. ओ.ए. (आईटी) के 100 पद भरने का निर्णय लिया।

शिमला जिला के कोटखाई स्थित कलबोग में नई उप–तहसील और जुब्बल–कोटखाई के टिक्कर में अग्निशमन केंद्र खोलने का भी निर्णय लिया गया है।

बैठक में मैसर्ज प्रीमियर अल्कोबेव प्राईवेट लिमिटिड कांगड़ा जिला के संसारपुर टेरेस में 250 किलोलीटर प्रतिदिन की क्षमता से इथेनोल संयंत्र स्थापित करने के लिए सहमति पत्र जारी करने का भी निर्णय लिया गया।

मंत्रिमंडल में मरीजों की सुविधा के लिए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, हमीरपुर में 4.28 करोड़ रुपये की लागत से सीटी स्कैन–128 स्लाइस मशीन खरीदने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमंडल ने जिला बिलासपुर के भराड़ी में महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान को सह–शैक्षणिक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और सर्वेयर तथा ऑफिस असिस्टेंट–सह–कंपयूटर ऑपरेटर के दो ट्रेड्स को सीटों सहित मोटर वाहन मैकेनिक एवं फिटर में परिवर्तित करने का निर्णय लिया। यह संस्थान निजी भवन में चल रहा है इसलिए परिवर्तित किए गए ट्रेड्स को संस्थान को अपने भवन में स्थानांतरित करने के पश्चात् आरम्भ किया जाएगा।

मंत्रिमंडल ने कांगड़ा जिले में नए स्तरोन्नत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गढ़–जमूला के सुचारू संचालन के लिए तीन अतिरिक्त पद भरने की मंजूरी दी।

मंत्रिमंडल ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में चालकों के तीन पदों को दैनिक वेतन भोगी आधार पर भरने का निर्णय लिया।

शेष पृष्ठ 2 पर...

राज्य सरकार कर्मचारियों के हितों की रक्षा करेगी: मुख्यमंत्री

शिमला, हिमालयन अपडेट

राज्य सरकार प्रदेश के कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और कर्मचारियों की उचित मांगों को समय–समय पर पूरा किया गया है। यह बात मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने ऑकओवर में अध्यक्ष अश्वनी ठाकुर के नेतृत्व में भेंट करने आए हिमाचल प्रदेश अराजपत्रित कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारी किसी भी सरकार की रीढ़ होते हैं और प्रदेश सरकार की नीतियों तथा कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी किसी भी सरकार के स्तंभ होते हैं जिनके कंधों पर सरकार की नीतियां कार्यान्वित करने का दायित्व होता है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि कर्मचारियों ने प्रदेश में कोविड–19 के प्रभावी प्रबन्धन में अहम भूमिका निभाई हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बावजूद, राज्य सरकार ने सुनिश्चित किया है कि कर्मचारियों को देय भत्ते समय–समय पर मिलते रहें। उन्होंने कोरोना महामारी के संकट के दौरान भी राज्य सरकार के साथ खड़े रहने के लिए प्रदेश के कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शीघ्र ही कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित करेगी ताकि

शेष पृष्ठ 2 पर...

घर बैठे अपनी प्रति मंगवाने / बुक करवाने के लिए सम्पर्क करें

शिमला
ग्राम शाहल, डाकघर भौंट,
तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश
हि.प्र.- 171006

चौपाल
हिमालयन अपडेट केयर आफ गोगटा लोकमित्र केंद्र
मडावग, डाकघर मड़ावग, तहसील चौपाल,
जिला शिमला हिप्र-171211

रामपुर बुशहर डिजीटल सेवा सिटी पुलिस चौकी के पास, रामपुर बुशहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश-172001

हमीरपुर 118 प्रतापनगर, वार्ड नं 3, हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

मंडी एनजीपी ई-स्मार्ट लाईफ, केनरा बैंक के पास, नया बस स्टैंड, तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी.175002

रायपुर सहोड़ां व वनगढ़ में लगभग एक करोड़ रूपये की लागत से सड़कों का होगा सुधारीकरण: सत्ती

ऊना, हिमालयन अपडेट

छठे राज्य वित्तायोग के अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती ने ग्राम पंचायत रायपुर सहोड़ां व वनगढ़ के फत्तेवाल क्षेत्र में लगभग एक करोड़ रूपये की लागत से सम्पर्क सड़कों के सुधारीकरण के कार्यों का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर रायपुर सहोड़ां में लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वनगढ़ के फतेहवाल क्षेत्र में लगभग 55 लाख रूपये की लागत से चार अलग–अलग सम्पर्क सड़कों का निर्माण तथा रायपुर सहोड़ां में लगभग 29 लाख रूपये की लागत से सम्पर्क सड़कों का नवीनीकरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण स्तर पर सड़क नेटवर्क को सुदृढ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही रायपुर सहोड़ां के तालाब का जीर्णोद्धार किया जायेगा जिसके लिए 58 लाख रूपये का प्राकलन तैयार कर लिया गया है।

सतपाल सत्ती ने बताया कि वर्तमान प्रदेश सरकार के कार्यकाल में ऊना विधानसभा क्षेत्र के हर गांव में सड़क, शिक्षा, पेयजल, स्वास्थ्य, कृषि सहित अन्य क्षेत्रों में आधारभूत ढांचों को विकासित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की सुविधा के लिए गलियों, नालियों को पक्का किया जा रहा है। इसके अलावा शिक्षण संस्थानों के भवनों का सुधारीकरण व सौंदर्यकरण किया गया है।

उन्होंने कहा कि ऊना में पीजीआई सैटेलाइट सेंटर पर 450 करोड़ रूपये खर्च किए जायेंगे, जिसमें 120 करोड़ रूपए से अत्याधुनिक मैडिकल उपकरण स्थापित किए जायेंगे, ताकि मरीजों को पीजीआई चंडीगढ़ के स्तर की चिकित्सा सुविधाएं ऊना में ही प्राप्त हो सकें।

सतपाल सिंह सत्ती ने लोगों को कोरोना महामारी के प्रति सजग रहने, उचित दूरी, मास्क व सेंनेटाईजर का उपयोग सुनिश्चित करने का आहवान किया ताकि इस कोरोना संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। उन्होंने सभी लोगों से कोरोना महामारी से बचाव हेतू टीकाकरण करवाने की अपील भी की।

इससे पूर्व भाजपा मंडलाध्यक्ष हरपाल सिंह गिल ने ऊना विधानसभा क्षेत्र में चल रहें विकास कार्यों की जानकारी भी दी।

इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्षा नीलम कुमारी, बीडीसी सदस्य कांता देवी, रायपुर सहोडां के प्रधान रोहित कुमार, उप प्रधान

ढाई मंजिला मकान आग की भेंट चढ़ा, दो परिवार बेघर

कुल्लू, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला मुख्यालय से सटी महाराजा घाटी की पंचायत शिल्ही राजगिरी के गांव जनाहल में ढाई मंजिला मकान आग की भेंट चढ़ गया। मकान जलने से दो परिवारों के नौ सदस्य बेघर हो गए हैं। आग लगने के कारणों को अभी पता नहीं लग पाया है। घटना से करीब 50 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

ढाई मंजिला मकान के छह कमरे पूरी तरह से राख हो गए हैं। ग्रामीणों ने आग लगने सूचना की दमकल विभाग को दी। लेकिन कच्ची सड़क होने के कारण दमकल विभाग का वाहन गांव तक नहीं पहुंच सका। हालांकि ग्रामीणों ने मिलकर आग पर पाने की पूरी कोशिश की। लेकिन उनकी सभी कोशिशें नाकाफी साबित हुई।

जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे मकान में अचानक आग भड़क गई। आग की चिंगारियों ने देखते ही देखते पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। लकड़ी से निर्मित मकान में आग तेजी से फैल गई और पूरे गांव में अफरातफरी मच गई।

घटना में जानमाल का कोई नुकसान नहीं है। घर के भीतर रखा कुछ भी सामान बचाया नहीं जा सका। मकान को जलते देख प्रभावित परिवारों की आंखों से आंसू छलक पड़े। जीवन भर की जमा पूंजी पलभर में राख हो गई। दो परिवार खुले आसमान के नीचे आ गए हैं।

उनके रहने की व्यवस्था गांव में ही की जा रही है। ग्राम पंचायत शिल्ही राजगिरी के प्रधान डोले राम ने कहा कि फतेह चंद और तेजा सिंह पुत्र रामदास के संयुक्त मकान में आग लगी है। राजस्व विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

उधर, दमकल विभाग के अधिकारी दुर्गा सिंह ने कहा कि दूरभाष के माध्यम से जनाहल में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर रवाना हुई। लेकिन सड़क खराब होने के कारण वाहन गांव तक नहीं पहुंच सका। ऐसे में दमकल विभाग पैदल ही मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। कहा कि अग्निकांड में जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है।

पृष्ठ 1 का शेष

मुख्यमंत्री ने आनी विधानसभा क्षेत्र में 234 करोड़ रुपये...

की लागत से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भवन निरमंड, 51 लाख रुपये की लागत से कल्याण भवन आनी, 60 लाख रुपये की लागत से वन विश्राम गृह पनेऊ, 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित निरीक्षण कुटीर चुनागई और 1.98 करोड़ रुपये की लागत से धनुधार में 22 केवी कंट्रोल प्वाइंट के उद्घाटन शामिल हैं।

जय राम ठाकुर ने 189.20 करोड़ रुपये की लागत की 17 विकासात्मक परियोजनाओं के शिलान्यास किए। इसमें विकास खण्ड निरमंड में 27.58 करोड़ रुपये की लागत से कुर्पण खड्ड के वाम तट पर विभिन्न जल आपूर्ति योजनाओं के संवर्धन का कार्य, 11.60 करोड़ रुपये की लागत से बहाव सिंचाई योजना कुर्पण कूहल के कमांद विकास क्षेत्र के निर्माण कार्य, विकास खण्ड निरमंड में 2.37 करोड़ रुपये की लागत से बहाव सिंचाई योजना नोर लांज के कमांद विकास क्षेत्र के निर्माण कार्य, विकास खण्ड निरमंड में 20.77 करोड़ रुपये की लागत से जलापूर्ति योजना शानू, जटेहड़ का संवर्धन व पुनर्निर्माण, जलापूर्ति योजना निरमंड और जलापूर्ति योजना रैमू केदस, जलापूर्ति योजना चाटी, जलापूर्ति योजना बायल धरोपा और जलापूर्ति योजना कोयल का संवर्धन व पुनर्निर्माण, विकास खण्ड आनी में सीवी कशाईगाड और बिशलाधार के अंतर्गत 2.28 करोड़ रुपये की लागत से उठाऊ पेयजल योजना कशाईगाड, डगेड़ के संवर्धन कार्य का शिलान्यास, विकास खण्ड आनी की ग्राम पंचायत डिंगीधार में 3.20 करोड़ रुपये की लागत से बेहना खड्ड से शेगुबाग उठाऊ जलापूर्ति योजना, 1.78 करोड़ रुपये की लागत से उठाऊ जलापूर्ति योजना खुन्न बांदल कोहिला कमांद के संवर्धन कार्य का शिलान्यास, विकास खण्ड निरमंड में 2.63 करोड़ रुपये की लागत से बहाव सिंचाई योजना कोयल के कमांद विकास क्षेत्र के निर्माण कार्य का शिलान्यास, विकास खण्ड आनी में 21.35 करोड़ रुपये की लागत से जलापूर्ति योजना खनाग, जलापूर्ति योजना नगोट, पाली परकौट और जलापूर्ति योजना खादवी काफटी के संवर्धन एवं पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने विकास खण्ड निरमंड में 17.69 करोड़ रुपये की लागत से जलापूर्ति योजना राठीनाला, जलापूर्ति आपूर्ति योजना नागछो और जलापूर्ति आपूर्ति योजना निथर, देहरा तथा कठार का शिलान्यास किया। उन्होंने 6.85 करोड़ रुपये की लागत से दुराह से दवारच सड़क के स्तरोन्नयन, 1.12 करोड़ रुपये की लागत से विश्राम गृह आनी में छः अतिरिक्त कमरों, 55 लाख रुपये की लागत से कल्याण भवन निरमंड, 94 लाख रुपये की लागत से उप–कोषागार कार्यालय आनी के भवन, 1.55 करोड़ रुपये की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खनाग, 66.62 करोड़ रुपये की लागत से 100 बिस्तरों वाले नागरिक अस्पताल आनी और 30 लाख रुपये की लागत से निरीक्षण कुटीर सराहर के शिलान्यास किए।

निरमंड में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वतीय राज्य होने के कारण हिमाचल में वनों का विशेष महत्व है। वह न केवल हिमालय क्षेत्र के पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं बल्कि राज्य की ग्रामीण आर्थिकी को सुदृढ़ करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष राज्य के विभिन्न भागों में 14 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में 1.40 करोड़ पौधे रोपित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बालिकाओं के सशक्तिकरण और हरित आवरण को बढ़ाने के लिए एक बूटा बेटी के नाम कार्यक्रम शुरू किया गया है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि हिमालय राष्ट्र को शुद्ध वायु प्रदान करता है और यह सभी का दायित्व है कि हम वनों का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि वनों के संरक्षण में स्वयं सहायता समूह, महिला मण्डल और गैर सरकारी संस्थाएं सराहनीय कार्य कर रहीं हैं। उन्होंने कहा कि 20 और 21 जुलाई को आयोजित किए जाने वाले अभियान के दौरान प्रदेश के विभिन्न वन मण्डलों में 246 स्थानों पर लगभग 11 लाख पौधे रोपित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष वन विभाग नगर परिषदों और पंचायतों के वार्ड सदस्यों को अपने संबंधित क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों की सहायता से पौध रोपण के लिए 51–51 पौधे प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष रेडक्रॉस द्वारा एक लाख अतिरिक्त पौधे भी रोपित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष के दौरान क्षेत्र में 3500 हेक्टेयर भूमि को लेंटाना मुक्त किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने पिछले लोकसभा निर्वाचन के दौरान भाजपा उम्मीदवार को 27 हजार मतों से बढ़त प्रदान करने के लिए आनी क्षेत्र के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना महामारी के प्रबन्धन में असाधारण रुप से सराहनीय कार्य किया है और इस दिशा में उठाए गए कदमों की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने टीकाकरण अभियान के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए भी प्रदेश सरकार की सराहना की है। उन्होंने कहा कि राज्य ने वैक्सीन का शून्य क्षय (वेस्टेज) सुनिश्चित किया है और राज्य के जनजातीय जिलों में शत प्रतिशत आबादी को वैक्सीन की पहली खुराक प्रदान की जा चुकी है।

जय राम ठाकुर ने प्रदेश के लोगों के कल्याण और राज्य के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा आरम्भ की गई विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिमकेयर, सहारा योजना, हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना आदि याजनाएं प्रदेश के जरूरतमंद लोगों के लिए वरदान सिद्ध हो रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश ने राज्य के छः बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह को हाल ही खोया है। उन्होंने कहा कि अलग–अलग राजनीतिक दलों से सम्बन्ध होने के बावजूद हम दोनों में एक–दूसरे के प्रति परस्पर आदर था। उन्होंने कहा कि वीरभद्र सिंह की मृत्यु किसी एक राजनीतिक दल के लिए नहीं बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश के लिए क्षति है।

हिमाचल में 2 अगस्त से लगेंगी...

खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग में चैकीदार के 5 पद दैनिक वेतन भोगी आधार पर भरने का भी निर्णय लिया गया है। मंत्रिमंडल ने बिलासपुर जिला के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हटवाड़ का नाम बदलकर शहीद सुबेदार संजीव कुमार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हटवाड़ रखने को भी अपनी स्वीकृति प्रदान की। शहीद सुबेदार संजीव कुमार को उनकी वीरता एवं साहस के लिए मरणोपरांत शहीद सम्मान कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया था।

राज्य में कोविड–19 की स्थिति, कोरोना महामारी की संभावित तीसरी लहर से निपटने की तैयारियों और शिक्षा बोर्ड के परीक्षा परिणाम, यूजीसी के दिशा–निर्देशों व शिक्षा संस्थानों को खोलने पर भी मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुति दी गई।

राज्य सरकार कर्मचारियों के हितों...

उन्हें सरकार के साथ अपने मुद्दे उठाने का अवसर मिल सके। उन्होंने संघ को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार कर्मचारियों के उचित मुद्दों का सौहार्दपूर्ण तरीके से निवारण करने का प्रयास करेगी, क्योंकि सरकार कर्मचारियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना चाहती है।

जय राम ठाकुर ने कर्मचारियों से निष्ठा और प्रतिबद्धता से कार्य करने का आग्रह किया ताकि हिमाचल प्रदेश को देश का आदर्श राज्य बनाया जा सके। उन्होंने संघ के सदस्यों को आश्वासन दिया कि कर्मचारियों के हितों को सुरक्षित किया जाएगा क्योंकि वे सरकार का अहम हिस्सा हैं।

हिमाचल प्रदेश अराजपत्रित कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अश्वनी ठाकुर ने मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया कि राज्य में सम्पूर्ण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित करने के लिए कर्मचारियों द्वारा उन्हें पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से जेसीसी की बैठक को बुलाने का भी आग्रह किया ताकि कर्मचारी अपने विभिन्न मुद्दे एवं मांगें सरकार के समक्ष रख सकें।

संघ के महासचिव राजेश शर्मा ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए।

करसोग के विधायक हीरा लाल तथा संघ के अन्य नेता भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने राज्य में कोविड टीकाकरण अभियान...

जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में आने वाले पर्यटकों पर नजर रखे हुए है और उनसे कोविड से बचाव के लिए उचित व्यवहार का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने होटल और होम–स्टे मालिकों से भी आग्रह किया है कि वे अपनी इकाइयों में पर्यटकों का स्वागत करते समय उचित एहतियाती कदम सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब तक वैक्सीन की 44.16 लाख खुराक दी जा चुकी हैं, जिसमें लगभग 10.45 लाख दूसरी खुराक भी सम्मिलित हैं।

बादल फटने से भारी तबाही

आनी, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के आनी खंड की बुछैर पंचायत के खादवी और तराला गांव में शनिवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे बादल फटने से भारी तबाही हुई। खादवी, सरट और तराला गांव में पानी और मलबा आ गया, जिससे करीब 25 परिवारों को भारी नुकसान हुआ है। लोगों के सेब के 700 पेड़ मलबे में दब गए। 25 बीघा जमीन, आठ मकानों और एक गोशाला को नुकसान पहुंचा है, जबकि दो खड़ी गाड़ियां मलबे के साथ 25 मीटर नीचे बह गईं।

तहसीलदार आनी दलीप शर्मा ने बताया कि सूचना मिलने के बाद राजस्व विभाग, पुलिस की टीम घटनास्थल को रवाना हो गई है, जबकि उन्होंने खुद मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन किया। तहसीलदार ने बताया कि नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार कर डीसी कुल्लू को भेज दी है। प्रभावितों को तय नियमों के तहत उचित मुआवजा दिलवाया जाएगा। पंचायत प्रधान चंद्रा ठाकुर और उपप्रधान भूप सिंह ने बताया कि बादल फटने से लोगों में दहशत है।

पांच गोवंश की भूख–प्यास से मौत, केस दर्ज

हमीरपुर, हिमालयन अपडेट

हमीरपुर जिले के उपमंडल सुजानपुर की ग्राम पंचायत रंगड़ के सनु खुर्द गांव के जंगल में बंधे पांच गोवंश की भूख–प्यास से मौत हो गई है। जबकि तीन पशुओं को स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने बचा लिया है। इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने छानबीन की है। पुलिस ने गोशाला संचालक के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

वहीं, संचालक फरार हो गया है। सनु खुर्द वार्ड नंबर 5 में पंचायत प्रधान को सूचना मिली कि साथ लगते जंगल में किसी ने पशुओं को पेड़ से बांध रखा है। सूचना मिलते ही पंचायत प्रधान अन्य पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मौके पर पहुंचे और पेड़ के साथ आठ पशुओं को बंधा पाया। इन पशुओं के गले से रस्सी खोली गई तो पांच की मौत हो चुकी थी जबकि तीन जीवित थे। पंचायत प्रधान संजीव कुमार ने बताया कि उन्हें ग्रामीणों ने सूचना दी थी।

इसकी तुरंत पशुपालन विभाग, पुलिस और उपमंडल अधिकारी नागरिक से शिकायत की गई। पंचायत प्रधान ने बताया कि गांव के त्रिलोक कुमार पर आरोप है कि उसने पशुओं को बांध रखा था। पशुपालन विभाग ने पशुओं का पोस्टमार्टम कर दिया है। गोशाला में धीरे–धीरे पशुओं की संख्या कम हो रही थी। उधर, पुलिस थाना सुजानपुर के जांच अधिकारी एएसआई मदन लाल शर्मा ने बताया कि पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है। उपमंडल अधिकारी नागरिक शिल्पी बेक्टा ने कहा कि अधिकारियों को मौके पर भेजा है तथा पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी गई है।

आईआईटी रोपड़ ने अपनी तरह का पहला ऑक्सीजन राशनिंग उपकरण–AMLEX विकसित किया

शिमला, हिमालयन अपडेट

मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडरों के कार्यकाल की क्षमता को तीन गुना बढ़ाने के लिए, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रोपड़ ने अपनी तरह का पहला ऐसा ऑक्सीजन राशनिंग उपकरण–AMLEX विकसित किया है जो साँस लेने के दौरान रोगी को आवश्यक मात्रा में ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है और रोगी द्वारा कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) के बाहर निकालते समय बंद हो जाता है। इस प्रक्रिया से ऑक्सीजन की बचत होती है जो अन्यथा अनावश्यक रूप से बर्बाद हो जाती है।

अब तक, साँस छोड़ने के दौरान, ऑक्सीजन सिलेंडर/पाइप में ऑक्सीजन उपयोगकर्ता द्वारा उत्सर्जित किए गए कार्बन डाइऑक्साइड के साथ बाहर निकाल दिया जाता है। इससे बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन की बर्बादी होती है। इसके अलावा, मास्क में जीवन रक्षक गैस के निरंतर प्रवाह के कारण आराम की अवधि (साँस लेने और छोड़ने के बीच) में मास्क के खुलने से वातावरण में बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन निकल जाती है। जैसा कि हमने देखा है कि कोविड–19 की दूसरी लहर के बीच मेडिकल ऑक्सीजन की मांग कई गुना बढ़ गई है, यह उपकरण उसी के अवांछित अपव्यय को रोकने में मदद करेगा।

निदेशक, आईआईटी, रोपड़, प्रोफेसर राजीव अहूजा ने कहा कि डिवाइस पोर्टेबल बिजली आपूर्ति (बैटरी) के साथ–साथ लाइन आपूर्ति (220V-50Hz) दोनों पर काम कर सकता है।

इसे संस्था के बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के पीएचडी छात्रों–मोहित कुमार, रविंदर कुमार और अमनप्रीत चंदर द्वारा बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ आशीष साहनी के मार्गदर्शन में विकसित किया गया है।

डॉ साहनी ने बताया कि "विशेष रूप से ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए बनाया गया, ।डस्म् को ऑक्सीजन आपूर्ति लाइन और रोगी द्वारा पहने जाने वाले मास्क के बीच आसानी से जोड़ा जा सकता है। यह एक सेंसर का उपयोग करता है जो किसी भी पर्यावरणीय स्थिति में उपयोगकर्ता के साँस लेने और छोड़ने का सफलतापूर्वक पता लगाता है। यह रेडी टू यूज़ डिवाइस व्यावसायिक रूप से उपलब्ध किसी भी ऑक्सीजन थेरेपी मास्क के साथ काम करता है जिसमें वायु प्रवाह के लिए कई रास्ते होते हैं।

दयानंद मेडिकल कॉलेज, लुधियाना में अनुसंधान और विकास के निदेशक डॉ जीएस वांडर ने नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान महामारी के समय में हम सभी ने जीवन रक्षक ऑक्सीजन के प्रभावी और उचित उपयोग के महत्व को सीखा है। उन्होंने कहा कि हालांकि कई अस्पताल अपनी ऑक्सीजन उत्पादन क्षमता बढ़ा रहे हैं, लेकिन इस तरह का उपकरण वास्तव में छोटे ग्रामीण और अर्ध शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में ऑक्सीजन के उपयोग को सीमित करने में मदद कर सकता है।

प्रो. राजीव अरोड़ा ने कहा कि देश को अब कोविड–19 से निपटने के लिए तेजी से लेकिन सुरक्षित समाधान की जरूरत है। चूंकि वायरस फेफड़ों और बाद में रोगी की श्वास प्रणाली को प्रभावित कर रहा है, इसलिए संस्थान का इरादा डिवाइस के पेटेंट के लिए जाने का नहीं है। उन्होंने कहा कि यह देश के हित में, उपकरण के बड़े पैमाने पर उत्पादन के इच्छुक लोगों को इस तकनीक को मुफ्त में हस्तांतरित करने में आईआईटी को खुशी होगी।

गवाही देवी मोड़ पंचायत ने रोपे देवदार के पौधे, पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

शिमला, हिमालयन अपडेट

जिला शिमला ठीयोग ब्लॉक की गवाही देवी मोड़ की पंचायत में वन महोत्सव मनाया गया। महोत्सव के अंतर्गत देवदार के वृक्ष पंचायत के भिन्न–भिन्न स्थानों पर लगाए गए और लोगों को वितरित किए गए यह महोत्सव पंचायत में पूरे महीने मनाया जाएगा।

कार्यक्रम में पंचायत की प्रधान अनीता उप प्रधान अशोक शर्मा पंचायत से सभी 5 वार्ड सदस्य रीना , सुचेता खाची, चंद्रकांता , संजय , महेंद्र वर्मा मौजूद रहे ।

इस पौधारोपण में पंचायत व स्थानीय जनता ने भी विशेष सहयोग दिया।

सेल्फ ग्रुप की प्रधान रीना वर्मा ग्राम भ्लेच वन सुचेता खाची ग्रुप में जुड़ी महिलाएं हर वार्ड की महिलाओं ने ग्रुप वृक्ष रोपण किया।

हिमालयन अपडेट से बात करते हुए पंचायत की प्रधान अनीता ने बताया कि आगे भी इस तरह का कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

आगे उन्होंने बताया कि आने वाले समय में पंचायत में मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया जाएगा।

इस मौके पर महिला मंडल की प्रधान गीता वर्मा ग्राम भलेच टू उनके साथ महिला मंडल से जुड़ी महिलाएं विशेष रुप से वृक्षारोपण में सहयोग किया स्कूल के बच्चों ने भी में सहयोग किया।

अमन वर्मा ,अखिल वर्मा, कार्तिक वर्मा कृतिका वर्मा ,सृष्टि वर्मा, राहुल वर्मा, रिया वर्मा ,प्रिया वर्मा , कमला वर्मा ,रितिका वर्मा ,पारुल वर्मा वंशु शर्मा, सारांश वर्मा आदि इस मौके पर उपस्थित रहे।

निरमण्ड में एसडीएम कार्यालय खोलने की घोषणा का नगर पँचायत पार्षदों ने जताया आभार

आनी, हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर द्वारा निरमण्ड को उपमण्डल का दर्जा दिए जाने ओर नगर पंचायत निरमण्ड के प्रतिनिधियों ने खुशी प्रकट की है।नगर पँचायत निरमण्ड की अध्यक्ष ममता रानी, उपाध्यक्ष विकास शर्मा,पार्षद उषा शर्मा, विद्या भारद्वाज,देव राज कश्यप,पद्मा, अमर चन्द ने निरमण्ड के खेल स्टेडियम के मंच से मंगलवार को जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर द्वारा की गई इस ऐतिहासिक घोषणा पर मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर और आनी के विधायक किशोरी लाल सागर का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि निरमण्ड क्षेत्र की भौगोलिक दृष्टि को देखते हुए 32 पंचायतों के केंद्र निरमण्ड में एसडीएम दफ्तर खोलने की मांग को पूरा करना क्षेत्र की जनता के लिए राहत भरा है। क्योंकि उन्हें अपने काम निबटाने के लिए करीब 80 किलोमीटर दूर आनी तक का सफर तय करना पड़ता था।

शहरी स्थानीय निकायों को प्लास्टिक कचरे के बाय–बैक नीती में सहयोग देने के निर्देश

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव, अपूर्व देवगन (आईएएस) की अध्यक्षता में शहरी विकास विभाग, ग्रामीण विकास विभाग और सीमेंट उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ आज एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्य सचिव ने शहरी स्थानीय निकायों द्वारा सीमेंट संयंत्रों को सौंपे जा रहे प्लास्टिक कचरे की मात्रा की समीक्षा की और शहरी स्थानीय निकायों को प्लास्टिक कचरे के बाय–बैक नीति के तहत सीमेंट उद्योगों द्वारा सहप्रसंस्करण में भरपूर सहयोग देने के निर्देश दिए। उन्होंने सीमेंट संयंत्रों को यह भी निर्देश दिया की शहरी स्थानीय निकायों के द्वारा एकत्रित व खरीदे गए प्लास्टिक कचरे को अपने वाहनों के माध्यम से रिटर्न लोड के रूप में अपने संयंत्र में एकत्र कर निपटान करें ।

पिकअप खाई में लुढ़की 1 की मौत

शिमला, हिमालयन अपडेट

जिले में बरसात के समय गाड़ी में सफर करना चुनोती भरा रहता है इसका कारण सड़को की खराब हालत है। बरसात में सड़क दुर्घटना बढ़ जाती है । ताजा मामले में ढली थाना के अंतर्गत पीरन में एक पिकअप के खाई में गिर जाने से उसमें सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत होने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ढली थाने को मंगलवार देर शाम सूचना मिली कि खालटू रोड पीरन में एक पिकअप गिर गयी है। पुलिस ने मौके पर जा कर देखा तो एक पिकअप नंबर एचपी 16–1947 खाई में गिर गयी है जिसमे एक व्यक्ति की मौत हो गयी है। मृतक की जांच के उसकी पहचान संजय दत्त सिरमौर निवासी के रूप में हुई है।

तीसरी लहर से निपटने के लिए 15 अगस्त तक क्षेत्रीय अस्पताल में बच्चों के लिए 30 बैड की होगी व्यवस्था:डीसी

ऊना, हिमालयन अपडेट

जिला ऊना में कोरोना की पहली लहर के दौरान जहां 30 ऑक्सीजन युक्त बैड थे, वहीं तीसरी संभावित लहर के लिए 381 ऑक्सीजन युक्त बैड उपलब्ध होंगे। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त ऊना राघव शर्मा ने आज बताया कि डीसीएचसी हरोली में 50, पालकवाह में 111, पंडोगा में 140 तथा बाथू में 80 ऑक्सीजन युक्त बैड की क्षमता तैयार हो रही है। इसके अतिरिक्त निकट भविष्य में गगरेट अस्पताल में 20, अंब में 30 तथा बंगाणा में 10 ऑक्सीजन युक्त बैड उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के स्तर तक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध होंगे, ताकि कोरोना वायरस का दृढ़ता के साथ मुकाबला किया जा सके।

राघव शर्मा ने कहा कि क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में विशेष रूप से बच्चों के लिए 30 बैड तैयार किए जा रहे हैं तथा इन्हें 15 अगस्त तक बनाकर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, जिनमें निकू की सुविधा भी होगी। आवश्यकता हुई तो बच्चों के लिए अतिरिक्त बैड उपलब्ध करवाने के लिए निजी अस्पतालों की भी सहायता ली जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला में कोविड मरीजों के लिए ऑक्सीजन की कमी न हो, इसके लिए ऑक्सीजन प्लांट लगाने का कार्य भी जारी है। जिला में पहली लहर के समय एक भी ऑक्सीजन प्लांट नहीं था, लेकिन अब 5 ऑक्सीजन प्लांट लगाए जा रहे हैं। पालकवाह में 500 एलपीएम का प्लांट लगभग तैयार है तथा यहां पर डीजी सेट लगना बाकी है। हरोली में 500 एलपीएम व क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में 1000 एलपीएम क्षमता का प्लांट निर्माणाधीन है। इसके अतिरिक्त पंडोगा में प्रदेश सरकार से स्वीकृति 1500 एलपीएम क्षमता वाला ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं अंब में भी 500 एलपीएम क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट प्रस्तावित है।

पालकवाह में बनेगी आरटी–पीसीआर लैब

जिलाधीश राघव शर्मा ने कहा कि पालकवाह में आरटी–पीसीआर लैब बनाने को स्वीकृति मिल गई है। उन्होंने कहा कि इस लैब को स्थापित करने के ले–आउट तैयार है तथा टेंडर लगाने की प्रकिया जल्द ही शुरू कर दी जाएगी।

कोविड दिशा–निर्देश मानें

उपायुक्त ऊना राघव शर्मा ने कहा कि तीसरी लहर से बचने के लिए सभी जिलावासी कोविड दिशा–निर्देशों को मानें। सार्वजनिक स्थानों पर मास्क का प्रयोग करें तथा उचित दूरी का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि कोविड के मामलों का पता लगाने के लिए निरंतर टेस्टिंग की जा रही है। सभी टेस्टिंग में भी सहयोग करें।

बसों में 50 प्रतिशत क्षमता से अधिक सवारियां बिठाई तो होगी कार्रवाई – ओंकार

चम्बा, हिमालयन अपडेट

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी चम्बा ओंकार सिंह ने जिले के निजी बस ऑपरेटरों व एचआरटीसी प्रबंधन से कोविड प्रोटोकॉल की अनुपालना सुनिश्चित करने की अपील की है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने कहा है कि प्रदेश सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन्स के मुताबिक़ बसों में 50 प्रतिशत सवारियां ही सफर कर सकती हैं। तीन सीटों वाली पंक्ति में दो यात्री जबकि दो सीटों वाली पंक्ति में केवल एक यात्री ही सफर कर सकता है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी का खतरा अभी भी टला नहीं है। संक्रमण में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है जोकि चिंता का विषय है। यदि बसों में कोविड से बचाव के लिए नियमों का पालन न किया गया तो उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि बस ऑपरेटर व स्टाफ स्वयं भी मास्क जरूर पहनें तथा बसों में यात्रा करने वालों को भी मास्क पहनने के लिए प्रोत्साहित करें। उचित ढंग से मास्क पहनने से संक्रमण का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। साथ ही क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने बस ऑपरेटरों, स्टाफ व जनता से जल्द से जल्द वैक्सीन लगवाने का आह्वान भी किया है।

चट्टान गिरने से एनएच 305 की आवाजाही बाधित

आनी, हिमालयन अपडेट

आनी में खनाग के पास चट्टान गिरने से एनएच 305 सड़क मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए पूरी तरह से बाधित हो गया है।जिससे आनी कुल्लू के मध्य सम्पर्क अस्थायी रूप से कट गया है। जानकारी के अनुसार वीरवार सुबह जलोड़ी क्षेत्र में हुई भारी बारिश के चलते खनाग के पँचायत घर के समीप एक बड़ी चट्टान सड़क पर आ गिरी।

जिसके चलते सैंज– लूहरी–आनी–ओट नेशनल हाइवे 305 पर आनी और जिला मुख्यालय कुल्लू के बीच वाहनों की आवाजाही ठप्प हो गयी है।मार्ग बंद होने से यात्रियों को खासी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इधर नेशनल हाइवे को बहाल करने नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ने बाधित मार्ग के पास जेसीबी ब्रेकर मशीनरी लगा दी है।

पूरे विश्व मे प्रदानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली की चर्चा की जाती है:टंडन

कुल्लू, हिमालयन अपडेट

भाजपा प्रदेश सह प्रभारी संजय टंडन भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश मनाली के मंडल पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित किया। यह बैठक मंडल अध्यक्ष दुर्गा सिंह की अध्यक्षता में हुई। भाजपा प्रदेश सह प्रभारी संजय टंडन ने आयुष्मान भारत एवं हिम केअर योजना के बारे में विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश की सरकार ने लाखों लोगों के लिए सामाजिक योजनाओं का गठन किया है , जिसका लाभ भी लोगों को पहुंचा है परंतु हमें सभी लाभार्थियों से संपर्क भी करना है और इन योजनाओं के बारे में घर–घर जाकर चर्चा भी करनी है। सभी योजनाओं की जागरूकता के लिए कार्यकर्ता जन जागरण अभियान चलाएंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को सभी योजनाओं के बारे में आंकड़ो सहित पता होना चाहिए।

उन्होंने कहा की आज पूरे विश्व मे प्रदानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली की चर्चा की जाती है और हमे गर्व है कि हमारे प्रधानमंत्री का शश्क्त नेतृत्व आज अमेरिका की तुलना में अमरीका से श्रेष्ठ माना जाता है।

प्रदेश सह प्रभारी संजय टंडन ने भारत द्वारा चलाए गए सोलर अलायन्स के बारे में भी चर्चा की और कार्यकताओं को अवगत करवाया की इससे दुनिया को कितना लाभ हो रहा है।

बैठक के दौरान सभी से सुझाव मांगे जिस से देश और प्रदेश की राजनीति में और अच्छे बदलाव आ सकें। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा की केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का प्रचार करें और इन के फायदे निचले स्तर तक जनता में पहुंचाएं जिस से हम अपने आने वाले दो महत्वपूर्ण लक्ष्यों, पहला उपचुनाव और दूसरा मिशन रिपीट 2022 में सफलता पा सकें। इस बैठक में विधायक और हिमाचल सरकार में शिक्षा मंत्री श्री गोविंद सिंह ठाकुर, प्रदेश महामंत्री राकेश जामवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष धनेश्वरी, जिला अध्यक्ष भीमसेन, जिला प्रभारी संजीव कटवाल, सह प्रभारी नरेश चंदेल, जिला महामंत्री अखिलेश कपूर, पूर्णकालिक सुरेश शर्मा, मंडल महामंत्री दविंदर ठाकुर, प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिला पदाधिकारी, मंडल उपाध्यक्ष, महामंत्री, सचिव, कार्यालय सचिव, मंडल में मोर्चा पदाधिकारी, प्रकोष्ठ के संयोजक और ग्राम केंद्र अध्यक्ष मौजूद रहे।

श्वाड को जल शक्ति विभाग के सबडिवीजन की घोषणा से क्षेत्रवासी गदगद हलवा खिला कर जाहिर की खुशी

आनी, हिमालयन अपडेट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर द्वारा निरमण्ड दौरे के दौरान मंच से शवाड में जल शक्ति विभाग का सब डिवीजन व देहुरी में प्राईमरी स्कूल का दर्जा .मिडल बढ़ाने की घोषणा से क्षेत्रवासी गदगद हो उठे है ।

इस खुशी में शवाड व्यापार मण्डल द्वारा एपीएमसी चैयरमेन कुल्लू व लाहौल स्पिति अमर ठाकुर की विशेष उपस्थिती में शवाड बाजार में हलवा बांट कर खुशी मनाई गई। वहीं कर्शेईगाड़ क्षेत्र के पंचायत समिति सदस्य जोत राम ने क्षेत्र की तरफ से मुख्यमंत्री का विशेष तौर पर आभार प्रकट किया है ।

इस कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष दूनी चन्द , जिला उपाध्यक्ष मण्डी जिला जोधवीर ठाकुर ,जिला सचिव योगेश वर्मा . भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष हरीश शर्मा व ग्राम केन्द्र अध्यक्ष ठाकुर दास वर्मा भी उपस्थित रहे।

व्यापार मण्डल शवाड ने इन दोनों सौगातों के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर , जल शक्ति मंत्री महेन्द्र ठाकुर , विधायक किशोरी लाल सागर, एपीएमसी चैयरमेन अमर ठाकुर व मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र ठाकुर का आभार प्रकट किया।

पिछले छह वर्षों में सबसे उच्चत्तम स्तर पर पहुंचा जिला ऊना का शिशु लिंगानुपात

ऊना, हिमालयन अपडेट

बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान के सफल क्रियान्वयन से जिला ऊना में लिंगानुपात में काफी सुधार आया है। वर्ष 2011 में शिशु लिंगानुपात चिंताजनक रूप से जिला ऊना में एक हजार लडक़ों के मुकाबले 874 लड़कियां था, जो वर्तमान में बढ़कर 938 हो गया है। बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ऊना ने कई अनूठे प्रयास किए हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

जिला ऊना में वर्ष 2015–16 में शिशु लिंगानुपात 908 रहा था, जो 2016–17 में 910 तक पहुंचा। वर्ष 2017–18 में यह 920 हुआ और वर्ष 2018–19 में 923 हो गया। आगे के वर्षों में भी शिशु लिंगानुपात में बढ़ौतरी जारी रही तथा वर्ष 2019–20 में 928 तक पहुंच गया। मौजूदा वर्ष 2020–21 में शिशु लिंगानुपात 938 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस सतनाम सिंह ने कहा कि बेटी पढ़ाओ–बेटी बचाओ अभियान के तहत प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन लिंगानुपात में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिसके लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। बेटियों वाले परिवारों के लिए डीसी कार्ड जारी किए गए, जिसके तहत डीसी कार्ड धारक परिवार को किसी भी सरकारी कार्यालय में संपर्क करने पर प्राथमिकता दी जाती है। इसके साथ–साथ बेटी के नाम पर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बोर्ड लगवाने के लिए दुकानदारों को प्रोत्साहित भी किया गया। मेरे गांव की बेटी मेरी शान योजना के तहत भी बेटियों के उपलब्धियों के बोर्ड पंचायत घरों व स्कूलों में प्रदर्शित किए जाते हैं।

वहीं उपायुक्त ऊना राघव शर्मा ने कहा कि शिशु लिंगानुपात में सुधार जिला ऊना के लिए प्रसन्नता का विषय है। बेटी पढ़ाओ–बेटी बचाओ अभियान की मूल भावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने हाल ही में तीन नई योजनाएं आरंभ की हैं। जिनमें गरिमा योजना, संबल योजना व नवजीवन योजनाएं शामिल हैं। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए गरिमा योजना शुरु की गई है। इस योजना के तहत अपने माता–पिता की देखभाल करने वाली बेटियों के साथ–साथ बेटियों को गोद लेने वाले माता–पिता, बेटी की उच्च शिक्षा व प्रोफेशनल कार्स कराने वालों व इसके लिए ऋण लेने वाले परिवारों तथा बेटियों के आर्थिक सशक्तिकरण में काम करने वाली संस्थाओं को भी सम्मानित किया जाता है।

राघव शर्मा ने कहा कि संबल योजना के तहत बेसहारा व अनाथ बच्चों को सहायता प्रदान की जाती है। ऐसे अति–गरीब परिवार के पात्र बच्चों को मंदिर ट्रस्ट चिंतपूर्णी के माध्यम से संबल योजना के अंतर्गत शिक्षा प्राप्त करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। जबकि नवजीवन योजना अपने नाम को चरित्रार्थ करते हुए विधवा महिलाओं को आजीविका उपार्जन में मदद करती है। उन्होंने कहा कि अगर कोई विधवा महिला आजीविका के लिए तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना काम शुरू करना चाहती है, तो मंदिर ट्रस्ट चिंतपूर्णी के माध्यम से उसे आर्थिक सहायता दी जा सकती है।

सात माह से गर्भवती महिला को हाईकोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने मादक पदार्थों की तस्करी में षड्यंत्र रचने के आरोपों का सामना करने वाली सात माह की गर्भवती महिला को अग्रिम जमानत पर रिहा करने के आदेश जारी किए। न्यायमूर्ति अनूप चिटकारा ने अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी दंडनीय अपराध है, लेकिन एक गर्भवती महिला का अपराधी होना अजन्मे बच्चे के लिए पूरी उम्र घातक साबित हो सकता है, यदि उसका जन्म जेल में हो। जेल में जन्म लेने पर बच्चे को तब तब मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है जब तक उसके जन्म की बात उठेगी। ऐसा आघात उसे सामाजिक जीवन जीने नहीं देगा। अपराध में संलिप्त या आरोपित गर्भवती महिलाओं को भी जेल में पौष्टिक आहार तो मिल सकता है परंतु मानसिक तनाव से मुक्ति नहीं।

चारदीवारी में बंद रहने से गर्भवती महिला को मानसिक तनाव उत्पन्न हो सकता है। जेल में जन्म देना मां को गहरा आघात पहुंचा सकता है। कोर्ट ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की सजा को बच्चे के जन्म से पहले और उसके बाद लगभग एक साल तक के लिए टालने से समाज पर कोई फर्क नहीं पड़ जाएगा। गर्भावस्था काल, डिलीवरी टाइम और जन्म देने से कम से कम एक साल तक महिला को तनावमुक्त वातावरण की जरूरत होती है। हर महिला का मातृत्वकाल में गरिमा पूर्ण जीवन जीने का हक है। गर्भवती महिलाओं को जेल नहीं बेल की जरूरत है। अदालतों को गर्भवती महिलाओं के मातृत्व समय में उनकी पावन स्वतंत्रता बहाल करनी चाहिए। अपराध कितना भी बड़ा हो, उन्हें कम से कम ऐसे समय में अस्थायी बेल तो दी ही जानी चाहिए।

लंबे अरसे से खड़ी खटारा गाड़ियां लाखों रुपये का डीजल पी गईं

नाहन, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश की नगर परिषद नाहन में लंबे अरसे से खड़ी खटारा गाड़ियां लाखों रुपये का डीजल पी गईं। फर्जी बिल दर्शाकर इन गाड़ियों को चालू हालत में दिखाया गया। अब तक लगभग छह लाख रुपये का डीजल खर्चा इन गाड़ियों पर हुआ है, जबकि गाड़ियां लंबे अरसे से खड़ी हैं। नगर परिषद की नई कार्यकारिणी ने इसकी शिकायत शहरी विकास विभाग के निदेशक को भेजी थी। इसके बाद विभाग की संयुक्त निदेशक राखी सिंह को जांच का जिम्मा सौंपा गया।

संयुक्त निदेशक ने नाहन पहुंचकर मामले की जांच–पड़ताल की। नगर परिषद के अधिकारियों, पार्षदों और कुछ कर्मचारियों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। जानकारी के अनुसार नगर परिषद नाहन के तीन वाहन लंबे समय से खड़े हैं। एक ट्रक तीन महीने से खड़ा है। इन दिनों उसे मरम्मत के लिए पांवटा भेजा गया है। एक जीप करीब एक साल से नगर परिषद के कार्यालय के बाहर खड़ी है। एक ट्रैक्टर भी कूड़ा संयंत्र के पास लंबे समय से खड़ा है।

शिकायत के अनुसार इन गाड़ियों में प्रतिदिन डीजल का खर्च दिखाया जा रहा है। हालांकि, अब तक कितने रुपये का डीजल खर्चा दर्शाया गया, यह जांच के बाद ही पता चल पाएगा। आशंका जताई जा रही है कि डीजल खर्चा पांच से छह लाख रुपये तक दर्शाया गया है। सूत्र बताते हैं कि जांच के दौरान पार्षदों ने शहर में हुए कुछ और कार्यों की जांच की भी मांग रखी है। संयुक्त निदेशक दो दिन से मामले की जांच पड़ताल कर रही हैं।

दस्तावेजों की जांच के साथ ही बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। यहां से स्थानांतरित हुए अधिकारियों को भी जांच अधिकारी तलब किया था। शहरी विकास विभाग के निदेशक मनमोहन शर्मा ने बताया कि इसकी शिकायत मिली थी। संयुक्त निदेशक राखी सिंह को इसकी जांच का जिम्मा सौंपा गया है। इन दिनों वह जांच के लिए नाहन में ही हैं। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

स्टेट हाईवे और सड़कों से तीन माह में अवैध कब्जे हटाने के हिमाचल प्रदेश सरकार को आदेश

शिमला, हिमालयन अपडेट

हाईकोर्ट ने राज्य के सभी नेशनल, स्टेट हाईवे और सड़कों से तीन माह में अवैध कब्जे हटाने के हिमाचल प्रदेश सरकार को आदेश दिए। न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और सत्येन वैद्य की खंडपीठ ने आदेशों की अनुपालना के लिए मुख्य सचिव को सुनिश्चित करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि कब्जा धारकों की ओर से अपनी आजीविका के लिए सड़क किनारे बनाए अस्थायी निर्माणों को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

सार्वजनिक संपत्ति पर कब्जे हटाने को कोर्ट कर्तव्य बाध्य है। अदालत ने कहा कि अवैध कब्जाधारियों को दयाभाव के आधार पर नहीं बख्शा जा सकता। ठियोग क्षेत्र के नरेल निवासी हरनाम सिंह उर्फ रिंकू चंदेल की याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने यह आदेश पारित किए। याची ने कोर्ट से गुहार लगाई थी कि सड़क किनारे बनाए गए उसके ढाबे को न गिराया जाए, क्योंकि इससे वह अपने परिवार का पेट पालता है। लोक निर्माण विभाग ने उसे नोटिस जारी कर ढाबे को हटाने का आदेश दिया था।

हड़ताल कर रहे कर्मचारियों को परिवहन मंत्री बिक्रम सिंह ठाकुर ने वार्ता के लिए बुलाया

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला शहर के हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के क्षेत्रीय प्रबंधक के तबादले के विरोध में हड़ताल कर रहे कर्मचारियों को परिवहन मंत्री बिक्रम सिंह ठाकुर ने सोमवार को वार्ता के लिए बुला लिया है। मंत्री के बुलावे के बाद कर्मचारियों ने सोमवार तक अपनी हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही शनिवार रात आठ बजे से बसों का संचालन फिर से शुरू हो गया। परिवहन कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के सचिव ने कहा कि आंदोलन की अगली रूपरेखा वार्ता के परिणाम पर निर्भर करेगी। बताया कि समिति ने निर्णय लिया है कि मंत्री के साथ वार्ता केवल अधिकारी को निजी बस आपरेटर संघ की मांग के चलते बदलने पर होगी। अन्य मांगों के बारे में पहले प्रबंध निदेशक स्तर की वार्ता की जाएगी और उसके बाद मंत्री से औपचारिक वार्ता की जाएगी।

2000 रूटों पर नहीं दौड़ीं एचआरटीसी बसें

उधर, राजधानी शिमला शहर के हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) के क्षेत्रीय प्रबंधक के तबादले के विरोध में निगम के चालकों और परिचालकों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। शनिवार को 2000 से ज्यादा रूटों पर परिवहन निगम की बसें नहीं चलीं। सुबह नौ बजे के बाद बसों का संचालन बंद कर दिया गया। शिमला, हमीरपुर, किन्नौर, ऊना, कांगड़ा, चंबा, सिरमौर और सोलन जिले में सबसे ज्यादा सरकारी बस सेवा प्रभावित रही। यहां तक कि दिल्ली, चंडीगढ़ और बाहरी राज्यों के लिए भी बसें नहीं चलाई गईं। वोल्वो भी खड़ी रखीं। हड़ताल से आम लोग और पर्यटक भी परेशान रहे। उधर, हमीरपुर समेत कई बस अड्डों में तो निजी बसों को भी नहीं घुसने दिया गया। एचआरटीसी के चालकों और परिचालकों ने शिमला समेत कई जगह जोरदार नारेबाजी कर प्रदर्शन किए।

एचआरटीसी के एमडी संदीप कुमार ने बताया कि प्रबंधन हमेशा कर्मचारियों से बातचीत के लिए तैयार रहता है और अभी भी उन्हें बुलाया गया है। अगर कर्मचारी बिना विषय के हड़ताल करेंगे और आम लोगों को परेशानी होगी तो सरकार को कड़े कदम उठाने पड़ेंगे। बता दें कि शनिवार को परिवहन निगम शिमला–2 डिपो के आरएम के तबादले के विरोध में शिमला और रामपुर, रोहड़ू के कर्मचारी हड़ताल पर रहे। धर्मशाला, हमीरपुर, नालागढ़ और रिकांगपिओ के भी सभी रूट ठप रहे। कॉलेज में परीक्षा देने के लिए छात्र–छात्राएं टैक्सियों से पहुंचे। ऊना में भी गुस्साए कर्मचारियों ने बस अड्डा बंद कर दिया। धर्मशाला–दिल्ली नेशनल हाईवे पर सैकड़ों वाहनों की कतारें लग गई। बिलासपुर में भी एचआरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल के समर्थन में स्थानीय कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। सोलन बस अड्डे पर बसों का प्रवेश रोकने पर एचआरटीसी और निजी बस ऑपरेटर आमने–सामने हो गए। इन पर निजी बस ऑपरेटर भड़क गए। शिमला जिले में सबसे ज्यादा 800 बस रूट बंद रहे। इसके अलावा कांगड़ा में 152, सिरमौर में 60, ऊना में 30, चंबा में 42 और जोगिंद्रनगर में 27 रूटों पर बसें नहीं चलीं। एचआरटीसी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के सचिव देवी शर्मा ने बताया कि प्रदेश में 2000 से ज्यादा रूटों पर निगम की बसें नहीं चलीं।

सुनील ठाकुर को क्रिकेट के जुनून ने रातों-रात करोड़पति बना

बिलासपुर, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के घुमारवीं पुलिस थाना में कांस्टेबल के पद पर तैनात सुनील ठाकुर को क्रिकेट के जुनून ने रातों–रात करोड़पति बना दिया। गांव बैरी रजादियां के सुनील ठाकुर 2016 बैच के कांस्टेबल हैं। बचपन से ही सुनील को क्रिकेट का जुनून था और इसी जुनून के चलते वह कई बार फैंटेसी लीग(ड्रीम इलेवन) में मोबाइल पर अपनी टीम बनाकर मैच खेलते थे। लेकिन उन्हें पता नहीं था कि क्रिकेट का यही जुनून उन्हें एक दिन करोड़पति बना देगा। बीते शुक्रवार को हुए भारत–श्रीलंका के तीसरे एक दिवसीय मैच के दौरान उन्होंने लीग में एक करोड़ 15 लाख रुपये का इनाम जीता।

सुनील का कहना है कि उन्हें खुद विश्वास नहीं हो रहा है कि सच में कुछ ऐसा हुआ है। सुनील के अनुसार उन्होंने एक टीम बनाकर 2 कंटेस्ट में भाग लिया। एक में 49 और दूसरे में 35 रुपये लगाकर अपनी टीमें बनाईं। सुनील के अनुसार पूरा मैच देखने को तो नहीं मिला लेकिन उन्होंने अपने मोबाइल पर नजर बनाए रखी। जैसे ही उनका नाम पहले नंबर पर आया तो विश्वास नहीं हुआ कि उन्होंने एक करोड़ 15 लाख रुपये जीत लिए हैं। सुनील का कहना है कि वह इन पैसों को अपने तथा अपने परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खर्च करेंगे।

हरियाणा मे कोरोना के नए मामलों की संख्या में 71 प्रतिशत की गिरावट दर्ज

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा में कोरोना के नए मामलों की संख्या में 71 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है । जहां राज्य में 22 जून, 2021 को नए कोविड संक्रमित रोगियों की संख्या 146 थी, वहीं 17 जुलाई, 2021 को कोरोना के केवल 41 नए मामले सामने आए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य की रिकवरी दर में भी 0.15 प्रतिशत की बढोतरी हुई है । 22 जून 2021 को रिकवरी दर 98.50 प्रतिशत थी, जो 17 जुलाई 2021 को 98.65 प्रतिशत हो गई है । हालांकि, मृत्यु दर में 0.04 की वृद्धि हुई है । 22 जून, 2021 को मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत थी, जो 17 जुलाई, 2021 को 1.25 प्रतिशत दर्ज की गई ।

मृत्यु दर में मामूली वृद्धि के कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए प्रवक्ता ने बताया कि कोरोना से मृत्यु घोषित करने से पहले ऑडिट किया जाता है। इसलिए चिकित्सा दिशानिर्देशों के अनुसार किए गए ऑडिट के बाद ही कोविड से मृत्यु दर्ज की जाती है । उन्होंने बताया कि हालांकि 22 जून, 2021 को कोविड पॉजिटिविटी दर 0.46 प्रतिशत थी, जो 17 जुलाई, 2021 को घटकर 0.14 प्रतिशत हो गई है, परंतु मृत्यु दर में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। इसकी वजह यह है कि मृत्यु के सही कारणों का पता लगाने की प्रक्रिया के बाद में मृत्यु की सूचना दर्ज की जाती है।

गौरतलब है कि आधिकारिक तौर पर घोषित मौतों की संख्या पूरी तरह से सत्यापित है और इन मौतों को उस दिन के लिए उतरदायी नहीं माना जा सकता, जिस दिन इन मौतों की जानकारी आधिकारिक आंकड़ों में दी जाती है। इसलिए, जिस दिन कोविड पॉजिटिव मामलों में गिरावट दर्ज की गई है, तो उस दिन मृत्यु दर में वृद्धि का मुख्य कारण ऑडिटिंग के बाद गत दिनों में हुई मौतों की दर्ज संख्या है। उन्होंने बताया कि 21 जून, 2021 से 17 जुलाई, 2021 तक 27 दिनों में 318 मौतें हुई हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि राज्य में कोविड टीकाकरण में भी तेजी आई है और 1,05,24,837 लाभार्थियों का टीकाकरण किया गया है, जिनमें से 85,22,732 लाभार्थियों को पहली खुराक और 20,02,105 लाभार्थियों को दूसरी खुराक लगाई गई है।

एन.डी.ए सरकार ने संवैधानिक निजता के अधिकार का हनन किया: राणा सोढी

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

पैगासस स्पाईवेयर स्कैंडल के मामले में भाजपा के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार को आड़े हाथों लेते हुए पंजाब के खेल और युवक मामलों बारे मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढी ने बुधवार को इसे निजता के संवैधानिक अधिकार पर सीधा हमला बताया, जबकि इस अधिकार की सुप्रीम कोर्ट द्वारा विभिन्न मौकों पर निंदा की गई है।

यहाँ जारी प्रैस बयान में राणा सोढी ने कहा कि एन.डी.ए. सरकार ने संवैधानिक, न्यायिक, सामाजिक और नैतिक मूल्यों को पूरी तरह बर्बाद करके रख दिया है और अब नये खुलासों से पता चला है कि उच्च–तकनीकी उपकरणों का प्रयोग विपक्ष के नेताओं सहित प्रमुख व्यक्तियों, पत्रकार और अन्यों के फ़ोन और ईमेलों की निगरानी के लिए किया जाता था। सुप्रीम कोर्ट को सू–मोटो नोटिस लेने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि यह निजता के अधिकार का सरेआम उल्लंघन है।

केंद्र की भाजपा सकरार पर तंज़ कसते हुए राणा सोढी ने कहा ''किसी अन्य देश की कोई भी एजेंसी आपकी सरकार के सीनियर अधिकारियों की इजाज़त के बिना फ़ोन टैप नहीं कर सकती और भारत के लोग भलीभांती जानते हैं कि इस बार विदेशी स्पाईवेयर को प्रमुख शख़्सियतों के फ़ोन टैप करने, ईमेलों की जासूसी करने और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जासूसी करने के लिए किसने आदेश दिए थे।'' उन्होंने कहा कि आर्थिक पक्ष से दिखाने के लिए एन.डी.ए. सरकार के पास कुछ भी नहीं है और अब बाग़ी सुर को दबाने के लिए ऐसी भद्दी चाल का सहारा लिया जा रहा है।

इस घटना को पूरी तरह अस्वीकार्य बताते हुए कैबिनेट मंत्री ने सवाल किया कि 'क्या लोकतंत्र में लोगों का विश्वास बहाल करने का यही एक तरीका है, उस समय जब हर तरफ़ अफ़रा–तफरी मची हुई है?''

ज़िक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा चोटी के राजनैतिक नेताओं, पत्रकारों, कारोबारियों, वैज्ञानिकों, संवैधानिक अधिकारियों और अन्यों के निजी फोनों की हैकिंग की निंदा की है, जो सिर्फ़ व्यक्तिगत निजता ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी एक प्रश्न चिन्ह है।

हरियाणा खेल विभाग द्वारा 2020–21 के खेल पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित

चण्डीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा के खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को वर्ष 2020–21 के खेल पुरस्कार प्रदान करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

विभाग के एक प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि ये पुरस्कार खिलाडियों की पहली अप्रैल,2020 से 31 मार्च,2021 तक की उपलब्धियों के आधार पर प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि विभाग खिलाडियों को नियमित आधार पर नकद पुरस्कार देने के लिए कटिबद्घ है ताकि खिलाड़ी प्रोत्साहित होते रहें और उनका मनोबल बना रहे। इसके लिए विभाग ने पुरस्कार प्रदान करने के लिए कलैण्डर भी तैयार किया है। वर्ष 2020–21 के खेल पुरस्कार उसी का हिस्सा है।

उन्होंने बताया कि पुरस्कार के लिए पात्र खिलाडियों को अपने–अपने जिले के जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम कार्यालय में 25 जुलाई, 2021 तक आवेदन करने होंगे। अधिक जानकारी व आवेदन पत्र के प्राफार्मा के लिए वैबसाइट www.haryanasports.gov.in का अवलोकन किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि खिलाडियों को अपने आवेदन के साथ–साथ अपनी खेल उपलब्धियों के सत्यापित प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा का प्रतिनिधित्व करने का प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, डोपिंग एफिडेविट, हरियाणा निवास प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, नवीनतम तीन पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक पास बुक के प्रथम पेज की सत्यापित फोटोकॉपी जिसमें खाता नंबर व आई.एफ.एस.सी कोड दर्शाए हो, पैन कार्ड की सत्यापित फोटोकॉपी, आधार कार्ड की सत्यापित फोटो प्रति संलग्न करने होंगे। आवेदन में किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए खिलाड़ी स्वयं जिम्मेवार होगा तथा अधूरा आवेदन फार्म कार्यालय द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने यमुनानगर–करनाल रेल लाइन की मंजूरी मिलने पर प्रधानमंत्री व केंद्रीय रेल मंत्री आभार व्यक्त किया

चण्डीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने यमुनानगर–करनाल रेल लाइन की मंजूरी मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस रेल लाइन की स्वीकृति से जिले के लोगों की एक पुरानी मांग पूरी हुई है। यह परियोजना पूरी होने से यमुनानगर समेत पूरे प्रदेश की उन्नति के नए मार्ग खुलेंगे।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि यमुनानगर एक औद्योगिक जिला है और रेल मार्ग स्वीकृत होने से यहां के उद्योग व व्यापार को और अधिक गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि 883 करोड़ की यह परियोजना मुख्यमंत्री मनोहर लाल के अथक प्रयासों का प्रतिफल है। इसके लिए उन्होंने कई बार केंद्र सरकार व केंद्रीय रेल मंत्री से सम्पर्क किया।

कंवरपाल ने कहा कि पूर्व सरकारों के कार्यकाल में यमुनानगर की अनदेखी की गई, लेकिन मौजूदा केंद्र और राज्य सरकारों ने इस जिले के विकास को विशेष प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से यमुनानगर में मेडिकल कॉलेज को भी स्वीकृति मिल चुकी है। इस कॉलेज का भवन निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा।

विधायक घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा कि यह रेल लाइन बनने के बाद जहां यमुनानगर और करनाल के बीच की दूरी कम होगी वहीं यहां के व्यापारियों, उद्यमियों और आम नागरिकों को दिल्ली जाने के लिए सीधा मार्ग उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इससे यमुनानगर के साथ–साथ रादौर, लाडवा और इंद्री जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास गतिविधियों में और अधिक तेजी आएगी।

खावसपुर गांव में तीन मंजिला इमारत गिरने के दर्दनाक हादसे पर मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 18 जुलाई को गुरुग्राम जिले के खावसपुर गांव में तीन मंजिला इमारत गिरने के दर्दनाक हादसे पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2–2 लाख रुपये एक्सग्रेशिया राशि देने की घोषणा की है।

इसके अलावा, गंभीर रूप से घायलों को भी 1–1 लाख रुपये देने की घोषणा की है।

अंबाला में शाहपुर अंडरपास का निर्माण कार्य 60 प्रतिशत पूरा–अनिल विज

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने बताया कि अंबाला में शाहपुर अंडरपास के कार्य पर करीब तीन करोड़ रुपए की धनराशि खर्च होगी और अभी तक इसका 60 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है और आगामी सितम्बर 2021 तक पूरा होने की संभावना है। इसके बनने से शाहपुर तथा आस–पास के गांवो के लोगों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि अंबाला में जनहित के अनेक प्रोजैक्ट चल रहे हैं और इन सभी के पूरा होने से आमजन को और अधिक बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

विज ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य जनसेवा है। लोगों की समस्याओं का समाधान व शिकायतों का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है।

विजीलैंस ने एक लाख रुपए की रिश्वत लेता शिक्षा विभाग का कर्मचारी रंगे हाथों दबोचा

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने ज़िला शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) के कार्यालय एस.ए.एस नगर में तैनात जूनियर सहायक प्रितपाल सिंह को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू कर लिया।

इस सम्बन्धी जानकारी देते हुए विजीलैंस ब्यूरो के एक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त कर्मचारी को शिकायतकर्ता करमजीत सिंह, ई.टी.टी अध्यापक, ज़िला एस.ए.एस नगर की शिकायत पर पकड़ा गया है। शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो को अपनी शिकायत में बताया कि उसके निलंबन के समय के दौरान भत्तों के बकाए की अदायगी करने के बदले उक्त कर्मचारी द्वारा कुल बकाए के 40 प्रतिशत हिस्से की बतौर रिश्वत के तौर पर माँग की गई है।

विजीलैंस द्वारा शिकायत की पड़ताल के उपरांत उक्त दोषी जूनियर सहायक को दो सरकारी गवाहों की हाज़री में एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए मौके पर ही पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि दोषी के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की अलग–अलग धाराओं के अंतर्गत विजीलैंस ब्यूरो के थाना एस.ए.एस नगर में मुकद्मा दर्ज करके अगली कार्रवाई आरंभ कर दी गई है।

बिजली समझौतों की सुरक्षा की ख़ातिर प्राईवेट बिजली कंपनियों से पंजाब कांग्रेस ने कोई राजसी फंड नहीं लिया: कैप्टन अमरिन्दर सिंह

आप और अकाली दल को तथ्यों सहित दिया करारा जवाब, दोनों पक्षों को पिछले 10 सालों के दौरान लिए गए फंडों का ऐलान करने की चुनौती दी

चंडीगढ़, हिमालयन अपडेट

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने मंगलवार को निजी बिजली कंपनियों से राजसी फंड लेने के मुद्दे पर खुलकर झूठ बोलने के लिए आम आदमी पार्टी और अकाली दल को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अलग–अलग जाली कंपनियों द्वारा इन पार्टियाँ को दिए जाते ग़ैर–कानूनी चंदे के उलट कांग्रेस को प्राप्त चंदों का पंजाब चुनाव या अकालियों द्वारा किये गए समझौतों के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है।

साल 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले लोगों को गुमराह करने के लिए बौखलाहट भरीं कोशिशों में झूठ का सहारा लेने के लिए शिरोमणि अकाली दल और आप की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ बिजली कंपनियों से पंजाब कांग्रेस ने फंड नहीं लिए बल्कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने साल 2009 और 2014 में लिए थे और इनका राज्य की मौजूदा सरकार के साथ कोई सरोकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि बिजली खरीद समझौते (पी.पी.एज़) पिछली अकाली–भाजपा सरकार द्वारा किये गए थे और उनकी (कैप्टन अमरिन्दर सिंह) सरकार इनके लिए कानूनी तौर पर पाबंद है और आर्थिक संकट से जूझ रहे राज्य पर भारी जुर्माने के बिना इनको रद्द नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के खजाने पर और अधिक बोझ डाले बिना बिजली समझौतों के दुष्प्रभावों को ख़त्म करने के लिए कानूनी संभावनाएं तलाश रही है जबकि अकालियों ने अपने सहयोगी भाजपा के साथ मिलकर अपनी जेबें भरने के लिए सरकारी खजाने का इस्तेमाल किया।

उन्होंने कहा कि यहाँ तक कि मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक बादलों के नेतृत्व में अकालियों ने 100 करोड़ रुपए का राजनैतिक फंड लिया और ऐलान सिर्फ़ 13 करोड़ रुपए का किया और बाकी फंडों से अपनी निजी जेबें भर ली।

जहाँ तक आम आदमी पार्टी का सवाल है, प्राईवेट बिजली कंपनियों की तरफ से आल इंडिया कांग्रेस कमेटी की तरफ से लिए गये फंड के विपरीत अरविन्द केजरीवाल की पार्टी 'आप' द्वारा साल 2014 के मतदान के दौरान लिया गया चंदा पहले ही प्रवर्तन निदेशालय(ई.डी.) की नज़र में है क्योंकि इनका न तो कभी भी हिसाब–किताब किया गया और न ही घोषित किया गया। यहाँ बताने योग्य है कि हाल ही में मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ई.डी. ने 50 लाख रुपए के चार चैकों से सम्बन्ध मामला दर्ज किया है जो साल 2014 के दिल्ली विधान सभा मतदान के दौरान आप को कथित तौर पर दिए गए थे। बीते साल दिल्ली पुलिस ने चार कंपनियों के विरुद्ध धोखाधड़ी, जालसाज़ी का मामला दर्ज किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे उनकी सरकार अकालियों की तरफ से पंजाब के लोगों को 'चंदे ' के तौर पर दी समस्याओं का हल निकालने में व्यस्त हुई है परन्तु कोविड महामारी के मद्देनज़र यह पार्टी राज्य में अमन–कानून की समस्याएँ पैदा करने में समय ख़राब कर रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि पंजाब में पिछली अकाली –भाजपा सरकार के विवादित और जन विरोधी फ़ैसलों पर किंतु न करने रास्ता चुन कर आप भी इनके साथ पूरी तरह लिप्त हो कर उल्टा राज्य के लोगों के लिए मुश्किलें पैदा कर रही है। मुख्यमंत्री ने दोनों पार्टियाँ को बीते 10 सालों में अपने–अपने राजनैतिक फंडों का ऐलान करने की चुनौती दी जिससे पंजाब के लोग इनके दावों और जवाबी–दावों के पीछे की सच्चाई को जान सकें। उन्होंने कहा, "सत्य सामने आने दो और इसका फ़ैसला लोग करें कि झूठे दोष और इल्जाम लगा कर उनको धोखा कौन दे रहा है।"

सम्पादकीय

काफी नहीं ऑनलाईन क्लास

हाल में हुए एक सर्वे ने बताया है कि ऑनलाइन टीचिंग के जरिए कोर्स पूरा करने की रस्मअदायगी भले कर दी गई हो, वास्तव में स्टूडेंट्स तक वह ज्ञान पहुंच नहीं पाया, जो अकादमिक सत्र के दौरान उन तक पहुंचाया जाना था। एजुकेशन टेक्नलॉजी सॉल्यूशन प्रोवाइडर टीम लीज एडटेक के इस सर्वे में 75 विश्वविद्यालयों के 700 से अधिक छात्रों और ऑफिसरों को शामिल किया गया था।

कोरोना महामारी और लॉकडाउन के बावजूद स्कूल–कॉलेजों में पढ़ाई का काम ठप न हो जाए, इसके लिए ऑनलाइन क्लासों का सहारा लिया गया। लेकिन हाल में हुए एक सर्वे ने बताया है कि ऑनलाइन टीचिंग के जरिए कोर्स पूरा करने की रस्मअदायगी भले कर दी गई हो, वास्तव में स्टूडेंट्स तक वह ज्ञान पहुंच नहीं पाया, जो अकादमिक सत्र के दौरान उन तक पहुंचाया जाना था। एजुकेशन टेक्नलॉजी सॉल्यूशन प्रोवाइडर टीम लीज एडटेक के इस सर्वे में 75 विश्वविद्यालयों के 700 से अधिक छात्रों और ऑफिसरों को शामिल किया गया था। सर्वे में 85 फीसदी स्टूडेंट्स ने माना कि जो कुछ उन्हें सीखना था, ऑनलाइन पढ़ाई के जरिए वे बमुश्किल उसका आधा ही सीख पाए। यह बात और है कि क्लास के दौरान और परीक्षा से भी इसका पता नहीं चला। स्टूडेंट्स को नंबर अच्छे आए क्योंकि ऑनलाइन परीक्षा में किताबों और नोटबुकों की मदद लेना आसान था। शिक्षकों के मुताबिक इन स्टूडेंट्स से बातचीत या सवाल–जवाब करने पर स्पष्ट हो जाता है कि उनकी समझ का स्तर वह नहीं है, जो होना चाहिए था। विश्वविद्यालयों के 88 फीसदी अधिकारियों ने यह भी कहा कि इस लर्निंग गैप की भरपाई करने में तीन साल से अधिक का वक्त लग सकता है।

वैसे यह समस्या सिर्फ अपने देश तक सीमित नहीं है। चूंकि महामारी और लॉकडाउन के चलते दुनिया भर में पढ़ाई को ऑनलाइन मोड में शिफ्ट करना पड़ा, इसलिए स्वाभाविक ही लर्निंग का यह गैप भी हर जगह देखा जा रहा है। यह जरूर है कि विकसित देशों के मुकाबले भारत में यह ज्यादा है। जहां फ्रांस में यह गैप 9.84 फीसदी, अमेरिका में 13.8 फीसदी, जर्मनी में 25 फीसदी और ब्रिटेन में 21–30 फीसदी होने का अनुमान व्यक्त किया गया है, वहीं भारत में इसे 40–60 फीसदी बताया जा रहा है। अपने देश में इंटरनेट तक पहुंच रखने वाले परिवारों की सीमित संख्या, किसी भी बदलाव को अपनाने के मामले में सरकारी संस्थानों की मंथर गति और अन्य देशों के मुकाबले लॉकडाउन की ज्यादा लंबी अवधि जैसे कारकों को ध्यान में रखें तो लर्निंग गैप का ज्यादा होना चौंकाता नहीं है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि इसके संभावित नुकसानों से हमें किसी तरह की छूट मिल जाएगी। आधी–अधूरी समझ के साथ पास हुए इन स्टूडेंट्स के लिए अगली क्लास का सिलेबस समझना और मुश्किल होगा। यही नहीं, इसी समझ के साथ जब ये जॉब मार्केट में जाएंगे तो हो सकता है पूरे बैच की एक जैसी स्थिति के चलते कॉम्पिटिशन का लेवल ही नीचे आ जाए और इन्हें जॉब भी मिल जाए, लेकिन बाद में उस जॉब से जुड़ी चुनौतियों से निपटना इनके लिए मुश्किल होगा। ऐसे में लर्निंग गैप को भरने का तरीका यही है कि उच्च शिक्षा के महामारी से पहले वाले तौर–तरीके जल्द अपनाए जाएं। जितना संभव हो, पढ़ाई क्लासरूम में हो। इसका रास्ता तेजी से वैक्सिनेशन करके निकाला जा सकता है। हमें याद रखना होगा कि इस मामले में किसी भी तरह की कोताही का देश के भविष्य पर बुरा असर पड़ेगा।

गुरु की सीख

गुरु पूर्णिमा दिन है उन सभी गुरुओं को याद और नमन करनें का जिनसे हमनें कुछ भी सीखा है।

जीवन का आरंभ होता है और हम सीखना शुरू कर देतें हैं, सबसे पहले एक शिशु अपने चारों ओर के वातावरण को महसूस करके प्रतिक्रिया देना सीखता है...चाहे वो रोकर हो या हँसकर लेकिन अपनी प्रतिक्रिया ज़रूर देता है।

धीरे धीरे जब थोड़ा बड़ा होता है तो बोलना और चलना सीखता है। इस समय उसकी पहली गुरु होती है उसकी माँ जो कदम दर कदम उसकी नन्हीं उँगलियों को थामें जीवन के प्रथम सोपान पे ले जाती है। उसे प्यार और अच्छे संस्कार देती है। लेकिन सिर्फ माँ ही नहीं परिवार के अन्य लोग भी इसमें अहम भूमिका निभाते हैं। आस पास के माहौल और घटनें वाली घटनाएँ बाल मन पर गहरा असर छोड़ जाती है।

जब बच्चें विद्यालय जाना शुरू करते हैं तो उनके आदर्श बनते हैं शिक्षक। उस वक्त शिक्षकों की सिखाई और कही बातें किसी भी बच्चे के लिए सर्वोपरि होती हैं। उनकी कही बातें जीवन की आधारशिला बनती है जिसपर भविष्य में जीवन की इमारत खड़ी होती है।

इन सबके साथ ही साथ सहपाठियों का भी बच्चों पर काफी असर पड़ता है और उनसे भी बच्चे काफी कुछ सीखतें हैं...ये अच्छा या बुरा कुछ भी हो सकता है।

इस प्रकार जीवन आगे बढ़ता जाता है। कभी वक्त और हालात भी हमारे गुरु बनते हैं। वो सारी बातें जो हम किताबों में पढ़कर न सीख पाए वो वक्त और हालात हमें चुटकियों में सीखा जाते हैं। हमारे गुरु बनते हैं हमारे कटु और अच्छे अनुभव जो जीवन की विडंबनाओं से हमारा परिचय कराते हैं और जीवन के अमूल्य सिद्धान्तों का पाठ पढ़ा जाते है। अब ये हम पर है कि हम अच्छा सीखते हैं या बुरा।

दअरसल ज़िन्दगी अपनें आप में सबसे अच्छी गुरु है, जीवन के सारे खट्टे मीठे अनुभव कोई न कोई सीख दे कर ही जाते हैं। अक्सर देखा जाता है कि बिना पढ़े लिखे लोग भी अपनें अनुभवों के कारण व्यवहारिक ज्ञान की अथाह थाती सहेजे रहते हैं जो कि अन्य कहीं पाना संभव नहीं है।

हमारा अंतःकरण भी इन सभी गुरुओं के जैसा ही है। हम चाहे जो भी करें हमारा अंतःकरण एक बार हमें ज़रूर बताता है कि क्या सही है और क्या गलत... अब ये हमारे संस्कारों पे निर्भर करता है कि हम सही या गलत क्या चुनते हैं।

तो आज हमें बहुत ज़रूरत है उस सहज व्यवहारिक ज्ञान की जो हम किताबों के अलावा भी और कई चीजों से अर्जित कर सकते हैं। वो ज्ञान जो हर कदम पे हमारे सामनें बिखरा है, बस ज़रूरत है उसे समेटनें की।

-रीना सिन्हा
जमशेदपुर, झारखंड

गुरुवर

गरुपूर्णिमा के पावन पर्व
पर सत्गुरुदेव जी के प्रति
सेवक की आरजू

तू सदा रहे पुरनूर गुरुवर,
बस यही है मेरी आरजू ।
तेरा नाम रोशन रहे सदा,
है इसी में मेरी भी आबरू।।

इस जहां का कोई भी रोग कभी,
तेरी देह को ना छू सके ।
तेरी चाह में ए सत्गुरु !
फना मैं खुद को भी कर सकूं।।

तेरी याद मुझ से छुट सके,
छुट जाए चाहे जहान भी
खोया रहूं तेरी याद में,
बस यही हो मेरी जुस्तजू।।

मुझे मान की ना चाह हो,
ऐसा कुछ कर दीजिए ।
तेरे ध्यान में ही बैठ कर ,
मिलता हैं मन को भी सुकूं।।
तेरे नाम रूप का ध्यान ही,
मेरे मन की बस खुराक हो।
पागल समझ लें दुनिया मुझे,
ऐसा मैं तुझ में खो सकूं।।

झाकूं मैं दिल में भी जब कभी,
गुरुदेव का दीदार हो ।
तुम्हें जब भी चाहूं में देखना,
इस दिल में ही मैं पा सकूं।।

तू सदा रहे पुरनूर गुरुवर,
बस यही है मेरी आरजू।
तेरा नाम रोशन रहे सदा,
हैं इसी में मेरी भी आबरू।।

-जय प्रकाश शर्मा
–नागपुर, महाराष्ट्र

आओ महिमा उनकी गाते हैं.....

ज्ञान दीप उर में जलाकर,
तम अज्ञानता का हर कर,
जो सत्य राह दिखलाते हैं।
आओ महिमा उनकी गाते हैं.....

सम दीपक रह जाते तम में,
तपते,बाती से कर उजियारा,
स्वयं गुमनाम रह जाते हैं।
आओ महिमा उनकी गाते हैं....

गुरु शिष्य परंपरा की ये धरा
द्रोण एकलव्य की रही परंपरा
ऐसे गुरु,शिष्य कहाँ अब पाते हैं?
आओ महिमा उनकी गाते हैं..

बदले हर समीकरण हैं अब,
दोनों ही बदले बदले हैं जब,
गुरुकुल बाजार नजर आते हैं।
फिर भी महिमा उनकी गाते हैं.....

सतही रिश्ते फिर स्नेहिल हों,
वही परंपरा फिर काबिज हो,
वो ही युग फिर से लौटाते हैं।
आओ महिमा उनकी गाते हैं.....

जीवन पथ पर अगणित राही,
जुगनू बनकर राह दिखाते हैं,
याद में उनकी,दीप जलाते हैं।
आओ महिमा उनकी गाते हैं.....

जाने कब कौन गुरु बन आता है,
भटके को राह सही दिखलाता है,
उन्हें श्रद्धासुमन आज चढ़ाते है।
आओ महिमा उनकी गाते हैं.....

-रश्मि सिंह
रांची, झारखंड

प्रतिकार

प्रायश्चित स्वरूप गुरु द्रोणाचार्य ने एकलव्य को सिंहासन पर बैठा दिया तो उसने चरणों में झुक कर निवेदन किया" आचार्यवर" मैं और मेरी जाती आपकी युगो युगो ऋणी रहेगी मगर मुझे तो राजकाज का कोई अनुभव ही नहीं है ना मेरी शिक्षा–दीक्षा ऐसी हो पाई की नित्य उठने वाली समस्याओं की बारीकियों को समझो और राज्य के शत्रुओं से लड़ने के लिए मेरे पास अंगूठा नहीं है— मैं बाण कैसे चलाउंगा?"

गुरु ने धीर गंभीर भाव से मंद स्मिति के साथ कहा ,"वत्स शत्रुओं से लड़ने में अर्जुन तुम्हारे सहायक होंगे और राजकाज की समस्याओं में मैं मार्गदर्शन करूंगा"....

"फिर मैं क्या करूंगा गुरुदेव?" एकलव्य का व्याकुल प्रश्न आया।

तुम निश्चिंत होकर अपना और अपनी जाति का सांस्कृतिक उत्थान करो ।दास–दासियां ,महल –अटरिया सभी तो तुम्हारे पास है. अथाह संपत्ति ,अगाध सौंदर्य तुम्हारे सामने खुला है। आखिर इन सब से तुम युगो से वंचित रहे हो .हम तुम्हें इतना ही नहीं दे रहे हैं ,इस क्षेत्र में तुम्हारे साथ हुएस अन्याय का प्रतिकार कर रहे हैं– रंभा, मेनका ,सोमरस सभी तो तुम्हारे हैं...."

एकलव्य ने गहरी सांस ली...
अब वह फिर संस्कृति के जंगलों में था।

-सुनीता श्रीवास्तव "जागृति", रांची, झारखंड

बूढ़े पिता की कराह

बेटा हम ने कभी किसी से कुछ नहीं मांगा न हमने किसी का बुरा चाहा। आज मेरे बेटे बुढ़ापे में मुझ से रूठ गए ज्यादा कहूं तो दूर हो गए।

जीवन भर मैंने लोगों को परिवार रिश्तेदार अपनों को सहयोग दिया हैं। पर हम अकेले हो गए हैं ऐसा क्या ग़लत किया बच्चों को चाव से पढ़ाया लिखाया अफसर बनाया किस लिए आज हम जब वृद्ध हो गए तो सब बेटे हम से जुदा हो गए।

आज हमारी नसीहत उन्हें बुरी लगती हैं जो कभी मम्मी का राजा बेटा हुआ करता था जो कभी पापा का शेर बेटा हुआ करता थाद्य

खैर किस को दोष दे,
हमनें कितनों को निर्भाव ,निस्वार्थ सहयोग किया हैं।

आज हम ये सब सोच कर करहाते हैं सिहर उठते हैं कि हमारी अपनी संतान तो पराई हैंद्य

परिवार मेरा भी थाद्य मां –बाबा भाई परन्तु आज माहौल कुछ और हैं तीन या चार बेटे होते हुए मां पिता की हालत बूढ़े शेर जैसी क्यों हैं आज से पहले जिसे हम अपना समझते हैं द्यवह क्या था।

आज दोनों आपस में गले से लिपट कर अपना दर्द छुपाते हैं।

किसी को बताने से झिझकते हैं।

क्या मां –पिता के प्रति बच्चों का यहीं फ़र्ज़ हैं क्यों भूल जाते हैं कि बुढ़ापा उन्हें भी आना हैं बच्चों को संस्कार मिल रहे हैं द्यवे वहीं बदले में लौटने वाले हैं द्यअगर हम अपनी संस्कृति परंपरा को छोड़ विदेशी संस्कृति या यू कहूं की स्वार्थ में मां पिता को जिंदा तिलांजलि दे रहे हैं। तो इससे बेकार बात क्या हो सकती हैं।

वृद्ध और बूढ़े की वृत्ति में अन्तर आ जाता तुलसीदास लिखते हैंद्यबालः वृद्ध एक समाना..३...

अर्थात बच्चे और वृद्ध की वृत्ति एक जैसी हो जाती हैं क्या

जब हम छौटे थे। उन्होंने भी हमारे साथ ऐसा किया जी नहीं तब हमारी हर इच्छा को वो पूरी करते थेंद्य तो रूठने पर मानते थे द्यआज मां –पिता इच्छाएं पूरी करने को नहीं कहते परन्तु कम से कम हम मुंह भरके उनसे बात तो कर सकते हैं।

ये बिल्कुल बेकार बात हैं कि हम उन्हे तिलांजलि दे दे!

वो हम तीन या चार को पाल सकते हैं परन्तु हम दोनों को बोलने का सुख नहीं दे सकते

कैसी विडंबना है। हम कहां हैं क्या कर रहे हैं जीते जी अपने ईश्वर से दूर हो रहे हैं। जो अपने मां पिता को नहीं रख सकता या दुःखी करें उससे अच्छा ऐसी नालायक संतान ना हो तो ही अच्छ।

आज क्या हमारा फ़र्ज़ यहीं रह गया हैं विचार अवश्य करें द्यअच्छा लगें तो कमेंट करें।

-विक्रम मिल्की बाबूलाल शर्मा
सह प्रभारी, गुजरात

गुरु पूर्णिमा पर मात–पिता व गुरुओं का वंदन

दोहा–
माँ ही अपनी प्रथम गुरु,माँ से बड़ा न कोय।
जो नर माँ को पूजता,तीरथ पूर्ण होय।।
रचना–
गुरु बिन नहीं ज्ञान जगीरा
गुरु का रखना मान जगीरा

गुरु ऐसा दाता है जग में
देता विद्या दान जगीरा

मन से तम को दूर भगाता
मंज़िल करे प्रदान जगीरा

शिष्यों के जीवन में आता
बनकर वो भगवान जगीरा

गुरु का अपने तन मन धन से
रखना हरदम ध्यान जगीरा

सकल जगत ब्रह्मांड में साधो
गुरुवर का सम्मान जगीरा

बस इतना ही कहना मुझको
गुरु मेरा अभिमान जगीरा

–राजपाल यादव
गुरुग्राम, हरियाणा

गुरुवर

जिनके गुणों के प्रकाश से,
रोशन होता मानव जीवन
है धन्य गुरु और उनकी कृपा,
नित करते उनको वंदन
जीवन ईश्वर ने दिया है,
उसको गुरुवर ने संवारा
हम भूले भटके विकारों में,
गुरुदेव ने हमने संभाला
साधारण काठ के पुतले हम,
गुरु शिक्षा से होते चन्दन
है धन्य गुरु और उनकी कृपा,
नित करते उनको वंदन
मुख पर इनकी ममता है
नयनों में करूणा समायी
उनके मार्गदर्शन ने ,
जीवन जीने की सही राह दिखाई
सदा रखना हाथ मेरे सर पर
जब तक है हृदय में धड़कन
है धन्य गुरु और उनकी कृपा,
नित करते उनको वंदन

–नंदिनी लहेजा
रायपुर(छत्तीसगढ़)

मास्क लगाएं दोनों टीके भी लगें जरूर

ये कोरोना अभी थमा नहीं,
हाँ कुछ मंद पड़ा है जरूर।

लापरवाही ये पड़े ना भारी,
रखना सभी ख्याल जरूर।

आरटीपीसीआर रिपोर्ट है,
भले निगेटिव आई जरूर।

लक्षण मिलते दिखते रहते,
सावधान इससे रहें जरूर।

अभी तो ये आँख मिचौली,
थर्ड वेब ये आये गी जरूर।

मास्क लगाना है बिलकुल,
दोनों टीके लगवायें जरूर।

कोई ढील भले मिल जाये,
पालन ये प्रोटोकाल जरूर।

कोविड19 ऐसी है बीमारी,
सभी प्रभावित होते जरूर।

जबतक इसकी नहीं दवाई,
तबतक रखें कड़ाई जरूर।

रिसर्च कर रहा है वैज्ञानिक,
विश्वास होगा सफल जरूर।

अभीतो केवल आप बचे हैं,
ये बच्चे भी सब बचें जरूर।

हम लड़ें कोरोना से हरदम,
देश से भगाना इसे जरूर।

–डॉ.विनय कुमार श्रीवास्तव
उत्तर प्रदेश

चन्द्रशेखर आज़ाद

गुलाम भारत में जन्मा,
क्रांति का उद्घोष था वो !
हिंद की आजादी को आतुर–
फौलादी सा जोश था वो!!

मैं आजाद हूँ, आजाद रहूँगा,
पिता स्वतंत्रता और पता जेल कहूँगा!
जीवन अर्पण अब इस देश को–
या जीतूँगा या फिर मौत वरूँगा!!

माँ के मस्तक का वो गौरव था!
भारत के जन–जन का विप्लव–रव था!
शत्रुओं की आँखों का काँटा–
वो रण–बांकुरा वीर पौरव था!!

याचना उसको सदैव नामंजूर थी,
पराजय भी उससे कोसों दूर थी!
पर था कुटिल विश्वासघाती वक्त वो–
नियति की दृष्टि उस पर क्रूर थी!!

जुनून था, ज्वाला था, अंगारा था,
शत्रुओं के वक्ष पर उसने फुफकारा था!
स्वाधीनता का स्वप्न हृदय में लिए–
उसने मृत्यु को स्वयं ही स्वीकारा था!!

आज़ादी के वटवृक्ष की वो डाल था!
हिंद के मस्तक का वो भाल था!
उसके रक्त से सिंचित ये ऋणी धरा–
चंद्रशेखर, मां भारती का वो लाल था!!

–दीपशिखा श्रीवास्तव'दीप'
गुरुग्राम (हरियाणा)

गुरु

वह है युग प्रवर्तक, वह है युग निर्माता
वह है शिक्षक, वह है युग दृष्टा.

उच्च आदर्शों का वह मिसाल है
अपने शिष्यों का संवारता भाग्य है.

रख कर मन में धैर्य और विश्वास
उन्हें बनाता एक अच्छा इंसान है.

हर बालक है देश का भविष्य
उसको बनाने में डालता है हवाई.

शिष्य कीप्रतिभा को पहचान
गुरु अपने शिष्यों को देता ज्ञान का दान.

है वह एक कुशल चित्रकार उन में कई रंगों को
भरकर उभरता एक अद्वितीय तस्वीर है.

गीली मिट्टी को देकर अंदर से सहारा, बाहर से
थपकी
गढता है एक सुघड़ आकार है.

लेता न वो एक भी झपकी है
वह एक कुशल माली सदृश्य
खिलाता अनुपम फूल उपवन में.

और देता जौहरी सा तराश पत्थर को
कीमती औ' चमकदार हीरे की शक्ल में.

गुरु ही है जो बताता राह सत्य और प्रेम का.
भेद बताता है उचित अनुचित का.

देता हमें मुश्किलों में हौसलों का दम
उन्मुक्त गगन की उड़ान न हो कम.

अनुशासन का पाठ पढ़ा कर
करता मन में सकारात्मकता का संचार.

केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देता
जीवन की व्यवहारिक सीख भी देता.

जीवन बने शिष्य का अमृत के समान
इसलिए डांट के कड़वे घूंट पिलाता है.

शिक्षक जैसा विनीत न कोई है
उसको तनिक धन का लालच नहीं है
अपनी पूरी जिंदगी गुरु
बस सम्मान ही कमाता है.

–अनीता निधि
जमशेदपुर, झारखंड

गुरु महिमा

गुरु तो ज्ञान का भंडार होता है
उसी ज्ञान को शिष्यों पर लुटाता है
अच्छे –बुरे का भेद समझाकर
पथ प्रदर्शक बन कर
सदमार्ग पर चलना सिखाता है
दुःख और विपरीत परिस्थितियों में
धीरज बंधाकर,आगे बढ़ना सिखाता है
हममें आत्म विश्वास भरकर
जीवन जीना सिखाता है
गुरु का स्थान सर्वोपरि होता है
जिन्हें मिले सद्गुरु,
वे होते भाग्यवान।
सफल होता उनका जीवन
गुरु कृपा से करते वे कार्य महान

–माया शर्मा (नटखटी)
नागपूर, महाराष्ट्र

देशप्रेम

आज हम सब को एक साथ आना होगा
मिलकर ये सौगंध सभी को लेना होगा,
देशप्रेम का चढ़ रहा जो छद्म आवरण
उससे हम सबको बचना बचाना होगा।

ओढ़ रहे जो देश प्रेम का छद्म आवरण
नोंच कर वो आवरण नंगा करना होगा,
देशप्रेम के नाम पर भेड़िए जो शेर हैं
ऐसे नकली शेरों को बेनकाब करना होगा।

देशभक्तों पर उठ रही जो आज उँगलियाँ
उन उँगलियों को नहीं वो हाथ काटना होगा,
देश में गद्दार जो कुत्तों जैसे भौंकते है,
ऐसे कुत्तों का देश से नाम मिटाना होगा।

जी रहे आजादी से फिर भी कितने हैं डर
डर का मतलब अब उन्हें समझाना होगा,
देश को नीचा दिखाते आये दिन जो गधे हैं रेंकते,
ऐसे गधों को अब उनकी औकात बताना होगा।

उड़ा रहे संविधान का जब तब जो भी मजाक
भारत के संविधान का मतलब समझाना होगा,
समझ जायं तो अच्छा है देशप्रेम की बात
वरना समुद्र में उन्हें डुबाकर मारना ही होगा।

–सुधीर श्रीवास्तव
गोण्डा, उ.प्र.

गुरु कृपा

अति श्रद्धा गुरु चरण कमलों में
जीवन में उन्नत का पाठ पढ़ाया
होती बहु कृपा ईश की हम पर
तब गुरु कृपा सामंजस्य है पाया।

गुरुकुल नहीं है पहले की तरह
विद्यालयों में जा गुरु दीक्षा पाते
भर देते ज्ञान भंडारण शिष्यों में
निस्वार्थ भाव से बढ़ गले लगाते।

जीवन में मुश्किलों से लड़ना
गुरु ही हमें नई–नई राह दिखाते
होते ज्ञाता शिष्य क्रियाकलापों के
अंधतमस ज्ञान की ज्योति जलाते।

आदिकाल से गुरु महिमा को
ऋषि मुनियों ने गुणगान किया
गुरु ने निज कौशल विद्या से
जीवन को स्वर्णिम निखार दिया।

बिना गुरु की शिक्षा रहे अधूरी
जीवन में दिखे ना लक्ष्य कोई
आत्म विश्वास जगाते शिष्यों में
बिन गुरु के नहीं पहचान कोई।

–सुनीता मुखर्जी
गाजियाबाद उत्तर प्रदेश

आजाद

तन–मन–प्राण–आत्मा सब कुछ, है मेरा आज़ाद।
जीया हूँ आज़ाद शान से, और मरूँ आजाद।।

दाग़ गुलामी सबसे गहरा, चहुँ ओर रहता है पहरा।
बैल बना कोल्हू वाला तो, जीवन लगता ठहरा ठहरा।।
नहीं मुझे स्वीकार दास्तां, मत बाँटो उन्माद।
जीया हूँ आज़ाद शान से, और मरूँ आजाद।।

अमर–आत्मा, अजर है काया, हस्ती कौन मिटाने आया।
बिस्मिल–भगत सरीखा चोला, बासंती वो रंग समाया।
छेड़ोगे तो छोड़ूंगा ना, कर दूंगा बर्बाद।
जीया हूँ आज़ाद शान से, और मरूँ आजाद।।

जन्म–मरण से चाहें मुक्ति, देह बांध ले किसमें शक्ति।
छू न सको छाया भी मेरी, भले लगा लो कितनी युक्ति।।
भले चंद्रशेखर मिट जाए, वतन रहे आबाद।
जीया हूँ आज़ाद शान से, और मरूँ आजाद।।

सांडर्स का वध कर डाला, असेंबली में बंब उछाला।
किया कांड काकोरी वाला, आजादी का वो मतवाला।।
अल्फ्रेड का बलिदान रहेगा, युगों–युगों तक याद।
जीया हूँ आज़ाद शान से, और मरूँ आजाद।।

–मुकुट अग्रवाल 'भावुक'
रेवाड़ी, हरियाणा

माटी के रंग, लोकगीतों के संग' कार्यक्रम के एपिसोड–६ का वर्चुअल माध्यम से आयोजित

शिमला, हिमालयन अपडेट

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित हिमालयन साहित्य सृजन मंच साहित्य के क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान स्थापित करता रहा है। हिमालयन अपडेट साहित्य सृजन के विशेष कार्यक्रम 'माटी के रंग, लोकगीतों के संग' कार्यक्रम के एपिसोड–६ का वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुरुग्राम, हरियाणा से सुप्रसिद्ध लोक गायिका नारी शक्ति की प्रतीक डॉ. कृष्णा आर्य एवं हरियाणा से ही सुप्रसिद्ध लोकगायक दलवीर सिंह 'फूल' रहे।

कार्यक्रम का संयोजन हिमालयन अपडेट अख़बार के संस्थापक और प्रधान सम्पादक अनिल जम्वाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन साहित्य संपादक हिमालयन अपडेट और वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि राजपाल यादव द्वारा किया गया। आगे कार्यक्रम का संचालन करते हुए उनके जीवन से संबंधित कई रोचक प्रश्नों के माध्यम से उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं के विषय में पूछा। वर्तमान समय में मुख्याध्यापिका के पद पर कार्यरत डॉ. कृष्णा आर्य लोकगीत के माध्यम से लोक–संस्कृति के प्रचार–प्रसार में निरंतर योगदान दे रहीं हैं। इतना ही नहीं बल्कि इंद्रप्रस्थ साहित्य हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष भी हैं जो साहित्य को सोपान की ऊँचाइयों तक पहुँचाने में इनका विशेष योगदान रहता है। दलवीर सिंह 'फूल' ने लोकगीतों के माध्यम से सुंदर छटा बिखेरते हुए श्रोताओं को शमा में बाँध दिया। दोनों लोक गायककारों ने हरियाणवीं लोकगीतों से श्रोताओं को रूबरू कराते हुए लोक संस्कृति की छटा से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. कृष्णा आर्य एवं दलवीर सिंह 'फूल' ने अंत में भावविभोर होते हुए सीमा सिंहा 'मैत्री' अनिल जम्वाल और राजपाल यादव का हृदयतल से धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुंछ में बारूदी सुरंग फटने से हिमाचली सपूत शहीद, हमीरपुर के कमल ने पिया शहादत का जाम

जम्मू, हिमालयन अपडेट

जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में बारूदी सुरंग फटने से हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के भोरंज उपमंडल के घुमारली गांव निवासी डोगरा रेजिमेंट के जवान कमलदेव वैद्य (27) शहीद हो गए हैं। वहीं, बांदीपोरा जिला में मुठभेड़ में तीन आतंकवादी ढेर करने और एक जवान के घायल होने की सूचना है। उधर, कमल की शहादत पर पूरा प्रदेश गमगीन है। कमल वैद्य छुट्टी काटकर अप्रैल में ड्यूटी पर लौटे थे।

अक्तूबर माह में उनकी शादी तय हुई थी और अगले माह ही उनकी सगाई होनी थी। वह अपने पीछे माता–पिता, बड़ा भाई और दो बहनों को छोड़ गए हैं। कमल देव वैद्य छह साल पहले सेना की 15 डोगरा रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। शहीद के पिता मदन लाल ने कहा कि उन्हें शनिवार सुबह ही सेना मुख्यालय से फोन आया कि उनके बेटे कमलदेव पुंछ में ऑपरेशन के दौरान शहीद हो गए हैं। मौत की खबर सुनने के बाद परिवार में शोक पसरा हुआ है। पूरे क्षेत्र में इस सूचना के बाद माहौल गमगीन है।

भोरंज के एसडीएम राकेश शर्मा ने बताया कि वह सैन्य अधिकारियों के साथ वह संपर्क में हैं। खराब मौसम के कारण शहीद की पार्थिह देह नहीं पहुंच पाई है। रविवार को पार्थिव देह पहुंचने की उम्मीद है। पूरे सैन्य और राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। ग्राम पंचायत प्रधान शशि शर्मा का कहना है कि शहीद कमल वैद्य के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा है।

उन्होंने पहली से दसवीं तक की पढ़ाई लुद्दर महादेव स्कूल में पूरी की थी, जबकि जमा दो तक की पढ़ाई भोरंज स्कूल में पूरी की थी। उसके बाद उन्होंने कंज्याण कालेज में दाखिला लिया था, लेकिन पढ़ाई के दौरान ही वह सेना में भर्ती हो गए थे। कमलदेव के पिता कारपेंटर का काम करते है।

ढाई साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले की तहसील नेरवा क्षेत्र में ढाई साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में नाबालिग के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। बच्ची का मेडिकल करने के बाद उसे उपचार के लिए शिमला रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार ढाई साल की बच्ची से पड़ोस में रहने वाले नाबालिग ने दुष्कर्म किया है। बच्ची की गतिविधियों से मां को इसकी भनक लगी तो उन्होंने थाने में इस संबंध में केस दर्ज करवाया।

पुलिस ने नाबालिग के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 और पोक्सो एक्ट की धारा 4 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। डीएसपी चौपाल का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे डीएसपी ठियोग लखवीर सिंह ने कहा कि नेरवा थाने में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है। आरोपी नाबालिग को माता–पिता के हवाले कर दिया गया है। उसे चौपाल न्यायालय में पेश करने के बाद जुबेनाइल कोर्ट में पेश किया जाएगा।

29 फीसदी कनेक्शन धारकों ने अपने एलपीजी सिलिंडर भरवाना बंद किए

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश समेत देशभर में महंगाई की मार का असर दिखना शुरू हो गया है। नीति आयोग की हाल में आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हिमाचल प्रदेश में 29 फीसदी कनेक्शन धारकों ने अपने एलपीजी सिलिंडर भरवाना बंद कर दिए हैं। हाल ही में नीति आयोग के सदस्य की हिमाचल प्रदेश में हुई बैठक के दौरान इस बात पर चर्चा हुई थी। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में कुल 23 लाख गैस उपभोक्ता हैं। इनमें से 3 लाख कनेक्शन धारकों को हिमाचल प्रदेश की गृहणी सुविधा योजना और केंद्र सरकार की उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन के साथ निशुल्क गैस चूल्हा और सिलिंडर मुहैया कराया गया है। कुल उपभोक्ताओं में से 6.67 लाख ने सिलिंडर रीफिल कराना बंद कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार इसके पीछे सिलिंडर के बढ़ते दामों को कारण माना गया है। साथ ही निशुल्क मिलने वाली लकड़ी की वजह से भी दोबारा भरवाने में कमी आई है। वर्तमान में गैस सिलिंडर के दाम 931 रुपये हैं जबकि सब्सिडी करीब 31 रुपये की मिलती है। आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में रीफिल न कराने का सबसे ज्यादा असर देखा गया है। उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार की उज्जवला योजना की तर्ज पर मुख्यमंत्री गृहिणी सुविधा योजना शुरू की थी। दोनों योजनाओं के जरिये लोगों को निशुल्क गैस कनेक्शन मुहैया कराए गए ताकि गृहिणियों को प्रदूषण से बचाया जा सके। लेकिन अब महंगाई की वजह से महिलाएं फिर से परंपरागत ईंधन की मदद से खाना बनाने को मजबूर हो गई हैं।

गरीबों के मकान बनाने के लिए पिछले साल का बजट अब जाकर हुआ जारी

शिमला, हिमालयन अपडेट

केंद्र सरकार ने कोरोना काल में पहली किस्त के एक करोड़ रुपये रोक दिए थे। प्रदेश सरकार को वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए अब जाकर बचे हुए में से कुछ बजट जारी हुआ है। वित्त वर्ष 2020–21 में 4094 मकान बनाने का लक्ष्य रखा गया था। बजट के पहुंचने में देरी होने और कोविड काल में बाधा पैदा होने से यह फंड समय पर जारी नहीं हो पा रहा है।

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण आवास मंडल के शैलेश कुमार ने इस संबंध में ग्रामीण विकास सचिव को पत्र लिखा है, जिसमें इस सहायता राशि को जारी करने का एलान किया है। इसमें स्पष्ट किया है कि यह धनराशि प्रशासनिक लागत को घटाकर जारी की जा रही है। इसमें यह भी दो टूक कहा गया है कि बजट आवंटन के लिए मंत्रालय के तय फार्मूला का अनुसरण किया जाए।

अनुसूचित जाति, जनजाति और अल्पसंख्यक वर्ग के लिए निर्धारित बजट को किसी भी स्थिति में सामान्य श्रेणियों के लिए डायवर्ट नहीं किया जाए। पहली किस्त में कुल 23.94 करोड़ रुपये रिलीज होने थे, जिसमें से 11.97 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। बाकी बजट को अलग से जारी किया जाना है। यह भी साफ किया गया है कि अगर तय मात्रा में राज्य का हिस्सा जमा नहीं किया गया तो इसे दूसरी किस्त से काट दिया जाएगा।

हिमाचल में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी

शिमला, हिमालयन अपडेट

हिमाचल प्रदेश में तीन दिन भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश में 30 जुलाई तक मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने प्रदेश के मैदानी व मध्य पर्वतीय भागों में 26 से 28 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। जबकि 25 जुलाई के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिले के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

पूर्वानुमान के अनुसार हिमाचल प्रदेश में पिछले 2–3 दिनों के दौरान मानसून की स्थिति कमजोर बनी रही। अब 26 से मानसून के फिर से रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है। उधर, शनिवार को शिमला समेत प्रदेश के अन्य भागों में दिन में मौसम साफ रहा। शिमला में हल्के बादल भी छाए रहे। दोपहर बाद धर्मशाला, नगरोटा सूरिया और जसूर में तेज शुरू हुई। बारिश के बाद तापमान में गिरावट से लोगों ने राहत की सांस ली है। धान और मक्की की फसल के लिए कृषि विभाग के विशेषज्ञों ने यह बारिश लाभदायक बताई है।

कहां कितना अधिकतम तापमान

शनिवार को ऊना में अधिकतम तापमान 33.0, बिलासपुर 34.0, सुंदरनगर 32.1, हमीरपुर 33.6, कांगड़ा 32.8, चंबा 31.6, सोलन 30.2, नाहन 30.2, धर्मशाला 24.8, शिमला 24.6, कल्पा 23.2, केलांग 25.2 और डलहौजी में 21.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। शिमला में न्यूनतम तापमान 17.0, सुंदरनगर 22.4, भुंतर 22.1, कल्पा 15.4, धर्मशाला 20.4, ऊना 25.7, नाहन 24.7, केलांग 12.7, पालमपुर 21.0, सोलन 20.7, मनाली 18.0, कांगड़ा 24.6, मंडी 22.0, बिलासपुर 25.0, हमीरपुर 24.8, चंबा 21.5, डलहौजी 17.4 और कुफरी में 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया है।

आनी में बादल फटने से भारी नुकसान

उधर, आनी खंड की बुछैर पंचायत के खादवी और तराला गांव में शनिवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे बादल फटने से भारी तबाही हुई। खादवी, सरट और तराला गांव में पानी और मलबा आ गया, जिससे करीब 25 परिवारों को भारी नुकसान हुआ है। लोगों के सेब के 700 पेड़ मलबे में दब गए। 25 बीघा जमीन, आठ मकानों और एक गोशाला को नुकसान पहुंचा है, जबकि दो खड़ी गाड़ियां मलबे के साथ 25 मीटर नीचे बह गईं।

तहसीलदार आनी दलीप शर्मा ने बताया कि सूचना मिलने के बाद राजस्व विभाग, पुलिस की टीम घटनास्थल को रवाना हो गई है, जबकि उन्होंने खुद मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन किया। तहसीलदार ने बताया कि नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट तैयार कर डीसी कुल्लू को भेज दी है। प्रभावितों को तय नियमों के तहत उचित मुआवजा दिलवाया जाएगा। पंचायत प्रधान चंद्रा ठाकुर और उपप्रधान भूप सिंह ने बताया कि बादल फटने से लोगों में दहशत है।

आईसीएसई (10वीं) और आईएससी (12वीं) के नतीजे घोषित

शिमला, हिमालयन अपडेट

काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने आईसीएसई (10वीं) और आईएससी (12वीं) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। हिमाचल प्रदेश का परिणाम सौ फीसदी रहा है। प्रदेश से आईसीएसई (10वीं) के 1510 छात्र थे। इनमें से 52.78 प्रतिशत लड़के और 47.22 प्रतिशत लड़कियां हैं। आईएससी (12वीं) के 401 छात्र थे। इनमें 51.62 प्रतिशत लड़के और 43.38 प्रतिशत लड़कियां हैं। परिणाम आधिकारिक वेबसाइट cisce.org पर देखा जा सकता है।

ऑक्लैंड स्कूल के रॉल रैना और कार्तिक प्रथम

राजधानी के ऑक्लैंड ब्वॉयज स्कूल के जमा दो कक्षा का (आईएससी) परिणाम सौ फीसदी रहा। विज्ञान संकाय में रॉल रैना ने 86.80 फीसदी अंक लेकर पहला, तन्मय सरीन ने 86 फीसदी अंक लेकर दूसरा, तनिष्क शेयांस्क शोम नेगी ने 85 फीसदी अंक लेकर स्कूल में तीसरा स्थान पाया। वाणिज्य संकाय में कार्तिक कश्यप प्रथम, प्रियांशु कश्यप और हर्षित ठाकुर द्वितीय, चिराग सलवान तृतीय स्थान पर रहे। कला संकाय में जगत नारायण सिंह ने 88 फीसदी अंक लेकर टॉप किया है, हिमांशु पनेट द्वितीय और हर्ष गौतम ने 81.60 तृतीय स्थान हासिल किया। पेरिस प्रभाकर चौथे और तुषार कश्यप पांचवें स्थान रहे। प्रधानाचार्य माइकल ए जॉन ने कहा कि स्कूल का परिणाम सौ फीसदी रहा।

बीसीएस स्कूल में दसवीं में प्रबल और जमा दो में आफताब प्रथम

राजधानी के बिशप कॉटन स्कूल (बीसीएस) में आईसीएसई दसवीं के परीक्षा परिणाम में प्रबल प्रताप सिंह और आईएससी बारहवीं कक्षा में आफताब सिंह सिधु ने टॉप किया है। स्कूल के निदेशक साइमन वील ने यह जानकारी दी। बारहवीं कक्षा के नतीजों में आफताब सिंह सिधु ने 95.3 फीसदी अंक लेकर स्कूल में टॉप किया है। तन्मय खंडेलवाल ने 95 फीसदी अंक के साथ दूसरा और युवराज सिंह ने 94.8 फीसदी अंक के साथ तीसरा स्थान पाया। दसवीं कक्षा में प्रबल प्रताप सिंह प्रथम, आर्यन सिंह द्वितीय और दानिश कलोतरा तृतीय स्थान पर रहे।

शिमला पब्लिक स्कूल की खुशबू दसवीं में प्रथम

शहर के खलीनी स्थित शिमला पब्लिक स्कूल में आईसीएसई दसवीं के घोषित नतीजों में खुशबू चौहान ने सर्वाधिक 90.2 फीसदी अंक हासिल किए हैं। तारु वर्मा ने 88.4 फीसदी अंक लेकर दूसरा और सुफकिन प्रसाद ने 86.8 फीसदी अंक लेकर तीसरा, हर्ष वर्धन मेहता और विशाल पांडे ने 86 फीसदी अंक लेकर चौथा तथा विवेक शर्मा ने 83.2 फीसदी अंकों के साथ पांचवां स्थान पाया। स्कूल के निदेशक प्रितेंद्र सिंह और कार्यवाहक प्रधानाचार्य साधना चौहान ने छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

'ऑकलैंड हाउस स्कूल की प्रकृति और फ्लोरेंस छाई '

ऑकलैंड हाउस गर्ल्स स्कूल में आईएससी बारहवीं कक्षा के परिणाम में प्रकृति बिसवास और फ्लोरेंस लालथिलामुआनी ने 97 फीसदी अंक लेकर स्कूल में टॉप किया। नोईले लालरिनपुई ने 96.75 फीसदी अंक लेकर दूसरा, मर्सी ग्रेस ने 95.25 फीसदी अंक लेकर तीसरा स्थान पाया। नाव्य जोहाल और आध्या पंडित ने 95.5 फीसदी अंक, कोंपल जिंटा ने 95.25 फीसदी, अपूर्वा नेगी ने 94.5 फीसदी, परनाज कौर ने 94.25 फीसदी और कृतिका बख्शी ने 94 फीसदी अंक हासिल किए हैं।

दसवीं कक्षा में यामिनी पॉल रही प्रथम

ऑकलैंड हाउस गर्ल्स स्कूल में आईसीएसई दसवीं कक्षा में यामिनी पॉल ने 93.4 फीसदी अंक लेकर पहला, अनन्या सूद ने 93 फीसदी अंक लेकर दूसरा, मिली सूद ने 92.4 फीसदी अंक लेकर तीसरा स्थान पाया। इसके अलावा मृगाक्षी ठाकुर ने 91.8 फीसदी, सानिया ठाकुर ने 91.4 फीसदी अंक लेकर जबकि विदिशा जैन ने 91.2 फीसदी अंक, रिधिमा गुलेरिया ने 91 फीसदी और अनन्या कंवर ने 90.8 फीसदी अंक, सान्या ने 90.2 फीसदी अंक लेकर परीक्षा उत्तीर्ण की। प्रधानाचार्य सुनीता जॉन ने बताया कि स्कूल का परीक्षा परिणाम सौ फीसदी रहा।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक अनिल कुमार जम्वाल द्वारा ग्राम शाहल, डाकघर भौंट, तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं सिग्मा प्रिंटर, ब्लॉक नं 6, शॉप नं 170, एसडीए कॉम्पलेक्स, कसुम्पटी, शिमला–171009 से मुद्रित।
सम्पादक : अनिल कुमार जम्वाल। हिमालयन अपडेट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 7018631199, email: himalayanupdate@gmail.com